



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 76 | प्रवागराज, शनिवार, 26 मार्च, 2022 ई० (वीत्र 5, 1944 शक संवत्) | संख्या 13

विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक बम्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक बम्दा
सम्पूर्ण गजट का भूल्य	-	-	भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	-	-
भाग 1—विज्ञापि—आवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, रथानानाम, अधिकार और दूसरे वैशिष्ट्यक नोटिस	3075	रु०	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	-	975
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आङ्गार्य, विज्ञापियाँ, इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिवद ने जारी किया	331—368	1500	भाग 6—(क) विल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	-	975
भाग 1—ख (1) औदोगिक न्यायाधिकरणों के अधिनियम	187—193	-	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐकट	-	-
भाग 1—ख (2)—मन न्यायालयों के अधिनियम	-	-	भाग 7—(क) विल, जो सभ्य की धारा समाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	-	975
भाग 2—आङ्गार्य, विज्ञापियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केंद्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञापियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का सम्बुद्धण	-	975	भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा समाओं के ऐकट	-	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रौडपत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिवद, खण्ड ख—नगर विवायत, खण्ड ग—निर्याचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	-	-	भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन और इंडिया को अनुचित तथा अन्य निवालन सम्बन्धी विज्ञापिया	-	-
	-	-	भाग 8—सरकारी कागज—पञ्च दवाई हुई लाई की गाठों का विवरण—पञ्च, जन्म-मरण के औंकड़े, रोगप्रस्त होने वालों और मरने वालों के औंकड़े, फसल और छतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार मात्र, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	115—119	975
	-	-	स्टोर—योजन विभाग का कोड पत्र	-	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अधिकारी, नियुक्ति, रथान-नियुक्ति, रथानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

गृह विभाग

[पुलिस सेवार्थ]

अनुभाग-2

कार्यालय-झाप

31 दिसम्बर, 2021 ई०

सं० 1222डीजी/छपु०स०-२-२१-५२२(८७)/२०२१टीसी-राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा (३०प्र० संवर्ग) में सेलेक्ट लिस्ट 2013 के आधार पर चयनित अधिकारियों की ज्योष्ट्रता माठ उच्च न्यायालय, हलाहालाद एवं खण्ड पीठ लखनऊ में योजित रिट गाचिकाओं के अन्तिम निर्णय के अधीन गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अपने आदेश संख्या I-15016/24/2021-आईपीएस-I (पार्ट-II), दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 के माध्यम से वर्ष 2008 के रथान पर वर्ष 2007 बैच नियारित की गयी।

2-गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के उक्त आदेश दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 में दिये गये निर्देशों के अनुमतिन में सेलेक्ट लिस्ट 2013 के आधार पर चयनित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख कालम-4/5 में अकित तिथि से सेलेक्शन ग्रेड (वितनमान पे मेट्रिक्स लेवल-13, रु 1,23,100-2,15,900) एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक (वितनमान पे मेट्रिक्स लेवल-13ए, रु 1,31,100-2,16,600) के पद पर पदोन्नति किये जाने को श्री राज्यपाल सहब स्वीकृति प्रदान करते हैं—

सं० सं०	अधिकारी का नाम	बैच	सेलेक्शन ग्रेड अनुमत्य किये जाने की तिथि	पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति की तिथि
1	2	3	4	
सर्वश्री/ श्रीमती—				
1	भारती सिंह	2007	01-01-2020	01-01-2021
2	विपिन कुमार फिरा	2007	01-01-2020	01-01-2021
3	नाधव प्रसाद चर्मा (से०नि० 30-06-2021)	2007	01-01-2020	01-01-2021
4	सभाराज	2007	01-01-2020	01-01-2021
5	खामी प्रसाद	2007	01-01-2020	01-01-2021
6	सीमित यादव	2007	01-01-2020	01-01-2021
7	रमेश	2007	01-01-2020	01-01-2021

नोट—भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा उपरोक्तानुसार आवंटन वर्ष नियारित करते हुये यह भी निर्देश दिये गये हैं कि जो अधिकारी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर संवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्हें काल्पनिक लाभ ही प्रदान किया जायेगा। “the officers retired on superannuation the benefits may be re-fixed notionally”

पदोन्नति

सं० 1630 / छ.पु०स०-२-२१-५२२(९५) / २०२१—भारतीय पुलिस सेवा (उ०प्र० संवर्ग) निम्नांकित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख कालम-३ में अंकित तिथि या कार्यभार ग्रहण करने की तिथि जो भी बाद में हो, से पुलिस महानिदेशक के पद पर (वेतनमान पै एम्ट्रिव्हस लेवल-१६, रु० २,०५,४००-२,२४,४००) पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०	अधिकारी का नाम/वैच	पदोन्नति की तिथि
१	२	३
१	श्री अविनाश चन्द्र, आर आर-१९९०	०१-०१-२०२२
२	डॉ० संजय एम० तारकौ, आर आर-१९९०	०१-०८-२०२२

२—श्री राज्यपाल यह भी स्वीकृति प्रदान करते हैं कि चयन वर्ष २०२२ में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी यदि प्रतिनियुक्ति से कार्यमुक्त होकर उ०प्र० संवर्ग में योगदान देंगे तो ऐसी स्थिति में उक्त तालिका में अंकित अधिकारियों की पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नति की तिथि में परिवर्तन हो जायेगा।

३—उपर्युक्त अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में आदेश अलग से निर्गत किये जायेंगे।

सं० 1631 / छ.पु०स०-२-२१-५२२(९६) / २०२१—भारतीय पुलिस सेवा (उ०प्र० संवर्ग) निम्नांकित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख कालम-३ में अंकित तिथि या कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, जो भी बाद में हो, से अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर (वेतनमान पै एम्ट्रिव्हस लेवल-१५, रु० १,८२,२००-२,२४,१००) पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०	अधिकारी का नाम	पदोन्नति की तिथि
१	२	३
सर्वंश्री—		
१	नवीन उरोरा, आर आर-१९९७	०१-०१-२०२२
२	मोहित अप्रवाल, आर आर-१९९७	०१-०१-२०२२
३	डॉ० गजेन्द्र कुमार गोस्यामी, आर आर-१९९७	०१-०१-२०२२
४	भजनी राम बीना, आर आर-१९९७	०१-०१-२०२२

३—उपर्युक्त अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में आदेश अलग से निर्गत किये जायेंगे।

सं० 1632 / छ.पु०स०-२-२१-५२२(९३) / २०२१—भारतीय पुलिस सेवा (उ०प्र० संवर्ग) के निम्नांकित अधिकारियों को पुलिस महानिरीक्षक के पद पर (वेतनमान पै एम्ट्रिव्हस लेवल-१४, रु० १,४४,२००-२,१८,२००) दिनांक ०१ जनवरी, २०२२ अथवा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, जो भी बाद में हो, से पदोन्नति किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०	अधिकारी का नाम	वैच
१	२	३
सर्वंश्री—		
१	डॉ० प्रीतिन्द्र सिंह	आईपीएस-आरआर-२००४
२	लव कुमार	आईपीएस-आरआर-२००४
३	धन्द्र प्रकाश-॥	आईपीएस-आरआर-२००४

३—उपर्युक्त अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में आदेश अलग से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1833/छ.पु.से.0-2-21-522(94)/2021—मारतीय पुलिस सेवा (उ0प्र0 संवर्ग) के निम्नांकित अधिकारियों को पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर (वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-13ए, रु0 1,31,100-2,16,600) दिनांक 01 जनवरी, 2022 अथवा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, जो भी बाद में हो, से पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्व स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र0	अधिकारी का नाम	आवंटन वर्ष
1	2	3
सर्वश्री—		
1	सुरेश शत्रुघ्नि कुलकर्णी	आईपीएस-आरआर-2008
2	अमित दर्मा	आईपीएस-आरआर-2008
3	एग0 कोलान्धी	आईपीएस-आरआर-2008
4	सर्वेश कुमार राना	आईपीएस-एसपीएस-2008
5	श्रीपति मिश्र	आईपीएस-एसपीएस-2008
6	अजय कुमार सिंह	आईपीएस-एसपीएस-2008
7	चुमुल किशोर	आईपीएस-एसपीएस-2008
8	विनोद कुमार मिश्र	आईपीएस-एसपीएस-2008
9	बालेन्दु भूषण सिंह	आईपीएस-एसपीएस-2008
10	दीपेन्द्र प्रसाप नारायण पाण्डेय	आईपीएस-एसपीएस-2008
11	सुधीर कुमार सिंह	आईपीएस-एसपीएस-2008
12	डा0 अरविन्द भूषण पाण्डेय	आईपीएस-एसपीएस-2008
13	राजीव नल्होत्रा	आईपीएस-एसपीएस-2008

3—उपर्युक्त अधिकारियों की तैनाती के सम्बन्ध में आदेश अलग से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 1834/छ.पु.से.0-2-21-522(97)/2021—मारतीय पुलिस सेवा (उ0प्र0 संवर्ग) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख कालम-4 में अंकित तिथि से भारतीय पुलिस सेवा का सेलेक्शन ग्रेड (वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-13, रु0 1,23,100-2,15,900) अनुमत्य किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्व स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र0	अधिकारी का नाम	आवंटन वर्ष	सेलेक्शन ग्रेड अनुमत्य किये जाने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री—			
1	केशव कुमार धौधरी	आईपीएस-आरआर-2009	01-01-2022
2	अजय कुमार साहनी	आईपीएस-आरआर-2009	01-01-2022
3	धरम कुमार	आईपीएस-आरआर-2009	01-01-2022
4	अनीस अहमद अन्सारी	आईपीएस-आरआर-2009	01-01-2022

१	२	३	४
सर्वश्री—			
५	अखिलेश कुमार चौरसिंहा	आईपीएस-आरआर-2009	०१-०१-२०२२
६	शिवासिंही चन्नप्पा	आईपीएस-आरआर-2009	०१-०१-२०२२
७	दिनेश कुमार पीठ	आईपीएस-आरआर-2009	०१-०१-२०२२
८	भुनिराज जी०	आईपीएस-आरआर-2009	०१-०१-२०२२
९	सबल कुमार	आईपीएस-आरआर-2009	०१-०१-२०२२
१०	सन्तोष कुमार सिंह	आईपीएस-एसपीएस-2009	०१-०१-२०२२

०१ जनवरी, 2022 ई०

सं० १६४० / छ.पु००००-२-२१-५२२(३) / २०२१—डॉ० के० एजिलरसन, आईपीएस—आरआर—२००४ (उ०प्र० संवर्ग), जो अन्तर्राजीय प्रतिनियुक्ति के आधार पर तमिलनाडु राज्य में लैनात है, को पुलिस महानिरीक्षक के पद पर (वेतनमान १० मैट्रिक्स लेवल-१४ रु० १,४४,२००-२,१८,२००) दिनांक ०१ जनवरी, २०२२ से प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,
अयनीश कुमार अवस्थी,
अपर मुख्य सचिव।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

अनुभाग-१

सेवाभिवृति

३१ दिसम्बर, २०२१ ई०

सं० १२३५ / ८१-१-२०२१-०९ / २०११—कार्यालय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागध्यक्ष, उ०प्र०, लखनऊ के पत्रांक नि०थ०ना०-२९ / १०-२-६(एस०ओ०) दिनांक ०७ सितम्बर, २०२१ हारा उपलब्ध कराये गये अभिलेखों के आधार पर श्री शिनोद कुमार श्रीवास्तव, सालियकीय अधिकारी अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर दिनांक ३१ दिसम्बर, २०२१ से सेवानिवृत्त माने जायेंगे।

आज्ञा से,
रवि शंकर मिश्र,
संयुक्त सचिव।

महिला एवं बाल विकास विभाग

अनुभाग-१

अधिसूचना

२४ दिसम्बर, २०२१ ई०

सं० १४९६(१) / ६०-१-२१-१ / १३(६९) / ०४—किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, २०१५ की धारा २७ के अधीन प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करके और उ०प्र० किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण)

नियम, 2019 के नियम 87 के अधीन गठित चयन समिति की संस्तुति पर श्री राज्यपाल के आदेशों से अधिसूचना संख्या 879/60-1-21-1/13(69)/04, दिनांक 23 जुलाई, 2021 द्वारा विभिन्न जनपदों में बाल कल्याण समिति का गठन करते हुये अध्यक्ष/सदस्य को नियुक्त किया गया है। उक्त गठित समिति में कठिपय जनपदों हेतु चरित्र सत्यापन आख्या/माठ चयन समिति की स्पष्ट संस्तुति तत्समय नहीं प्राप्त हुई थी, जो अब प्राप्त हो गयी है। अतः उक्त के परिणाम स्वरूप सूची में उल्लिखित व्यक्तियों को श्री राज्यपाल एतदद्वारा सदस्य नियुक्त करते हैं—

अनुसूची

कौशाम्नी

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	पता	पद
1	2	3	4	5
1	विन्देश्वरी प्रसाद	झगड़ू लाल	ग्राम सेलरहा पूरब, पोरट-सेलरहा, ब्लाक सिराणू, जनपद-कौशाम्नी, 212217	सदस्य
2	फृष्णादत्त छिवेदी	स्व० श्याम किशोर छिवेदी	नियर-डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, साईधाम, मंडानपुर, कौशाम्नी, 212207	सदस्य

हापुङ

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	पता	पद
1	2	3	4	5
1	इन्दु गोस्वामी	बाबू राम गिरी	884, नड़ै शिवपुरी, हापुङ (पंचशील नगर), 245101	सदस्य

उन्नाव

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	पता	पद
1	2	3	4	5
1	मीनू मिश्रा	राम प्रकाश बाजपेई	08 दरोगावाग, उन्नाव, 229801	सदस्य

आवरत्ती

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	पता	पद
1	2	3	4	5
1	अमिका प्रसाद प्रजापति	राम लाल	कट्टा, श्रावस्ती, 271805	सदस्य

आज्ञा से,
अनीता सीध मेश्वाम,
प्रभुख सचिव।

आयुष विमाग

अनुमाग-1

नियुक्ति/तैनाती

10 दिसम्बर, 2021 ई०

सं० 4428 / ९६-आयुष-१-२०२१-२३१ / २०१५टी०सी०-लोक सेवा आयोग, ल०प्र०, प्रयागराज पश्च सेंद्र्या ६३/०२/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७टी०सी०-३, दिनाक ०९ जुलाई, २०२१, द्वारा प्रदेश के राजकीय यूनानी महाविद्यालयों में प्रवक्ता नियोग व कबालत के पद पर सीधी भर्ती के चयन की संस्तुति के आधार पर डाता भरियम रोकझौया पुरी मोहम्मद अनवारुरहमान, निवासिनी म०न०-२४, सिंह कटरा लेन, रायगंज रोड, अलहादपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश राज्य आयुर्वेद एवं यूनानी महाविद्यालय अध्यापकों की सेवा नियमावली, १९९० यथासंशोधित २००८ के अन्तर्गत पुनरीक्षित येतन मैट्रिक्स के लेवल-१० (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोण्ठिका की राशि) के अन्तर्गत चिकित्सा शिक्षक यूनानी के पद पर भौतिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय तकनीकी उत्तिव्र कालेज एवं चिकित्सालय, लखनऊ में प्रवक्ता नियोग व कबालत के पद पर नियुक्त/तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

- (१) सम्बन्धित चिकित्सा शिक्षक को उत्तर प्रदेश राज्य आयुर्वेद एवं यूनानी महाविद्यालय अध्यापकों की सेवा नियमावली, १९९० यथासंशोधित २००८ के नियम-१९ के अधीन ०२ वर्ष की परियोगी पर रखा जायेगा।
- (२) नियुक्त अभ्यर्थी को उत्तर येतनमान के अंतिरिक्ष समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमत्य नहींगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते इत्यादि भी देय होंगे।
- (३) वित (सामान्य) अनुमाग-३ की अधिसूचना संख्या सा-३-३७९/दस-२००५-३१(९)/२००३, दिनाक २८ मार्च, २००५ द्वारा लागू नयपरिभाषित अंशादान पैशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (४) सम्बन्धित अभ्यर्थी पर उत्तर प्रदेश राज्य आयुर्वेद एवं यूनानी महाविद्यालय अध्यापकों की सेवा नियमावली, १९९० यथासंशोधित २००८ में उल्लिखित प्राविधिक तागू होंगे।
- (५) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रवार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (६) चरित्र सत्यापन रिपोर्ट में यदि कोई प्रतिकूल तथ्य पाया जाता है तो सम्बन्धित का नियुक्ति आदेश स्वस्त निरस्त समझा जायेगा।
- (७) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित अभ्यर्थी को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [१] ०२ ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [२] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [३] मार्तीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद (नवीन नाम मार्तीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग) द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की ०२ प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [४] झोध आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [५] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [६] घल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्ती/घंति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (8) सम्बन्धित प्रस्तर-7 में अंकित सभी प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य, राजकीय तकमील उत्तिमब कालेज एवं विकित्सालय, लखनऊ के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपने तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (9) उत्तर प्रदेश राज्य आयुर्वेद एवं यूनानी विकित्सालय अध्यापकों की सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 में उक्त यूनानी विकित्सा शिक्षक की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त अधिकार क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार नियांरित की जायेगी।

आज्ञा से,
सुखलाल भारती,
विशेष संविवेत।

20 दिसम्बर, 2020 ई०

संप 4102 / ०६-आयुष-१-2021-६६ / २०११-उ०प्र० लोक रोवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक विकित्सालयों में आयुर्वेद विकित्साधिकारी के ५२१ पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या २१/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक २८ मई, २०२०, पत्र संख्या ५७/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक १९ जून, २०२०, पत्र संख्या ९१/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक ३० जून, २०२०, पत्र संख्या १०८/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक १७ जुलाई, २०२० एवं पत्र संख्या १४५/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक २७ अगस्त, २०२०, पत्र संख्या १७०/०१/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक १६ सितम्बर, २०२० एवं पत्र संख्या १८४(१)/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक २३ जुलाई, २०२१ के आधार पर चयनित आयुर्वेद विकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-२६४ पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-५३०००३४३८८२) (अनारक्षित सामाज्य श्रेणी) श्री जितेन्द्र मणि त्रिपाठी, पुत्र श्री राम नारायण मणि त्रिपाठी, निवासी ५५७ /२५-क /५, ओमनगर, आलमधार, लखनऊ-२२६००५ को उत्तर प्रदेश राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-१० (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोठिया की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिवर्त्यों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक विकित्सालय, हरदीघक, गोरखपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है—

- (1) सम्बन्धित विकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-१७ के अधीन ०२ वर्ष की परियोग्यता पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त विकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमत्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुमान-३ की अधिसूचना संख्या सा-३-३७९/दस-२००५-३१(९)/२००३, दिनांक २८ मार्च, २००५ द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित विकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उत्तिलिखित प्राविष्टान स्थागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित विकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] ०२ ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

- [2] अभियोजन न घलाये जाने तथा माठ न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ०प्र० भारतीय विकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
- [4] ओंध आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] अल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तार-६ में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गौरखपुर के समक्ष एक माह के अन्वर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अन्धर्धन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य विकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संघर्ष में उक्त चिकित्साधिकारी की विराषता लोक सेवा आयोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 की 02 वर्ष की परियोजा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परियोजा अवधि में विकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमत्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफालता पूर्वक परियोजा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद विकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-२७ का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधिकों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति माठ उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित सिविल मिस रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा० अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस०एस०/2020 नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस०एस०/2020 डा० रिनी भारद्वाज बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित होने वाल अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

27 दिसम्बर, 2020 ई०

सं० 4633/९८-आयुष-१-२०२१-६६/२०११-उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक विकित्साधिकारी के 521 पर्वों पर सीधी भती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त तंसुति पत्र संख्या 21/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 27 अगस्त, 2020, एवं 170/01/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 एवं पत्र संख्या 184(1)/डी०आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक 23 जुलाई, 2021 के आधार पर चयनित आयुर्वेद विकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-421 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000144546) (अनुसूचित जनजाति) कुमारी अर्चना, मुक्त्री श्री विद्या सागर, निवासी म०न०-४३, ग्राम चन्द्रायर बलीपुर, पो० चैनपुर गुलौरा, तहसील बेलधरा रोड, ज़िला बलिया, उ०प्र०-२२१७१५ को उत्तर प्रदेश राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी)

सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन पैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोषिका की राशि) के अन्तर्गत भौतिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मझौलीराज, जनपद देवरिया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की राहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं गूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महगाई भत्ता तथा अन्य बत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुमान-3 की अधिसूचना संख्या रा-३-३७९/दस-२००५-३१(९)/२००३, विनाक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभावित अंशदान पैशान योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं गूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविदान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न घलाये जाने तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ०प्र० भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [4] ओथ आफ एलीजिगन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता वा प्रमाण-पत्र।
 - [6] घल स्था अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में ओकेत सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं गूनानी अधिकारी, देवरिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अस्थायन निरस्ता करने पर शासन स्तर पर विधार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं गूनानी) सेवा संबंध में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त ऑफ्टा क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निवारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं गूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथा संशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही ग्राह्य होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव ढलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1958' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं वापील) नियमावली 1990 के सुसगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त वयन/नियुक्ति माझे उत्तर न्यायालय, इलाहाबाद में यांत्रित सिविल मिस रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा० अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य रिट याचिका संख्या 11889/एस०एस०/2020 नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नाटिस संख्या 2280/एस०एस०/2020 डा० रिमी भारद्वाज बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित होने वाल अनिम परिवर्तन के अधीन होगा।

सं० 487७/९६-आयुष-१-२०२१-६६/२०११ उ०प्र० लोक सेवा आयोग प्रथाग्राम द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी के ५२१ पदों पर सीधी मती द्वारा घयन के उपरान्त प्राप्त सत्त्वुति पत्र संख्या २१/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७ दिनांक २८ मई २०२० पत्र संख्या ५७/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक १९ जून, २०२० पत्र संख्या ९१/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७, दिनांक ३० जून, २०२० पत्र संख्या १०६/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७ दिनांक १७ जुलाई २०२० एवं पत्र संख्या १४५/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७ दिनांक २१ अगस्त २०२०, एवं १७०/०१/३००आर०/एस-११/२०१६-१७ दिनांक १८ सितम्बर २०२० एवं पत्र संख्या १८४(१)/३००आर०/एस-११/२०१६-१७ दिनांक २३ जुलाई २०२१ के आधार पर घयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा घयन क्रमांक-३२९ पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-६३००००९५९२१) (अनारक्षित समान्य श्रेणी) सुभी ज्योति यादव पुत्री स्व० मुन्ना यादव निवासी ग्राम खानपुर पोस्ट काञ्चाखुद माहमदाबाद मोहना ज़िला मऊ उ०प्र०-२७६४०३ को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) संघ नियमावली १९९० रथा संशोधित २००८ के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-१० (प्रयोज्य लेवल की प्रधम कालिका की तारीफ) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शतों एवं प्रतिवर्धनों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, तरक्कलहा, जगपद देवरिया में वित्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की मार्पण स्वीकृति प्रदान करती है—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) संघ नियमावली १९९० रथा संशोधित २००८ के नियम-१७ के अधीन ०२ वर्ष की परियोग्यता पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शामनादशों के अन्तर्गत अनुमन्य प्रदान की जायेगी तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे,
- (3) वित्त (राजमान्य) अनुभाग-३ की अधिगूच्छा राश्णा रा-३-३७९/दस-२००५-३१(९)/२००३, दिनांक २८ मार्च २००५ द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) संघ नियमावली १९९० रथा संशोधित २००८ में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कायेमार माहण करने के पूर्य सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रत्यक्षता करने होंगे—

[1] ०२ ऐसे सजापत्रित अधिकारियों जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिवित हों किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाने जाने तथा माझे न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शापथ-पत्र,

[3] उ०प्र० भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा दिये गये स्थायी पजीकरण की ०२ प्रमाणित प्रतिक्रिया

[4] ओथ आफ एलीजियान्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्ताव-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी देवरिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा सदगे में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता लोक सेवा आगोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त शेषलग क्रम के आधार पर गथासमय नियमानुसार निघारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों का गज्ज चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथा संशोधित २००८ को ०२ वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमत्य नहीं होगी यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्णक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरांत ही प्राप्त होगी।

गढ़ि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा तो उसके इस कृत्य/आधरण को सरकारी कमेंटरी आचरण नियमावली १९५८' के नियम-२७ का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, १९९९ के सुसंगत प्राविधिकों के अनुमार कागवाही की जायेगी।

- (11) उक्त घटना/नियुक्ति माझे उच्च न्यायालय इलाहाबाद में याजित सिविल मिस रिट याधिका संख्या ४१०२/२०२० डा० अम्बरीश कुमार पाण्डेय व १० अन्य बनाम उ०प्र० राज्य थ अन्य रिट याधिका संख्या ११८९९/एस०एस०/२०२० नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस सख्ता २२८०/एस०एस०/२०२० डा० रिनी भारद्वाज बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम नियन्त्रण के अधीन होगा।

31 दिसम्बर, 2021 ई०

स० ४९३६/९६-आयुष-१-२०२१-२०३/२०२०टी०री०-उ०प्र० लोक सेवा आगोग प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय यूनानी चिकित्सात्मकों में यूनानी चिकित्साधिकारी (बैकलाग) के अपनीत पदों के सापेक्ष ०८ पदों पर रीपी भर्ती द्वारा द्ययन के उपरांत पन्न सख्ता २९७/०४/ठी०आ००/एस-११/२००९-१०टी०री० दिनांक ०४ मार्च २०२१ के माध्यम से उपलब्ध करायी गयी सस्तुति के आधार पर द्ययनित यूनानी चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल द्वारा (क्रमांक/रजिस्ट्रेशन नम्बर ०३/५३३००४७५३६) (अनुशोधित जाति/महिला) डा० दीपिका प्रियदर्शिनी, पुनर्नी श्री मनोज कुमार निवासी म०८०० १४५, एक मिनार वाली मस्जिद के पास म०१० एमन जई जलाल नगर जिला शाहजहापुर उ०प्र०-२४२००१ को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० ग्राहारांजाधित के अन्तर्गत पुनरीधित वेतन बेट्रिक्स के लेवल-१० (प्रयोज्य लेवल की प्रयम कार्यिका की राशि), के अन्तर्गत भौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिवचनों के अधीन अस्थाइ रूप से राजकीय यूनानी चिकित्सालय, मीद्हा जनपद हमीरपुर में विक्त पद पर नियुक्त, तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है।

- १) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० द्ययासाधित २००८ के नियम-११ के अधीन ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायगा।
- (२) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमत्य भहंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- (3) वित्त (समान्य) अनुमांग-३ की अधिसूचना सख्ता सा-३-३७९/दस-२००५-३१(९)/२००३, विनाक 28 मार्च 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अभावान पैशान योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित विकित्साधिकारियों पर ३०४० राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथासंशोधित २००८ में उल्लिखित प्राविष्टान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किरी पकार का यात्रा-मत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित विकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
- [1] ०२ ऐसे राजपत्रित अधिकारियों जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों फिन्टु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाने जाने तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] ३०४० भारतीय विकित्सा परिपद द्वारा दिये गए स्थागी पंजीकरण की ०२ प्रभागित प्रतियाँ।
- [4] ओय आफ एलीजियम का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] घल तथा अद्वल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित विकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-६ में अकिञ्चन सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तेनाती के बीचीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी हमीरपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तेनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं तो उनका अस्थायी निरस्त करने पर शासन स्तर पर विधार किया जायेगा।
- (8) ३०४० राज्य विकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा भवन में उक्त विकित्साधिकारी की विरुद्धता लोक सेवा आयोग ३०४० द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) परिवीक्षा अधिक में विकित्सकों का स्थानान्तरण की सुविधा अनुमत्य नहीं होगी यह सुविधा उम्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अद्यि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

गदि नवनियूक्त यूनानी विकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास किया जायेगा तो उसके इस कृत्य/आचरण को सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली १९५६ के नियम-२७ का उल्लंघन मानते हुये उसके पिरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, १९९९ के मुताबिक पारिवारिकों के अनुगमन कार्रवाही की जायेगी।

०६ जनवरी, २०२२ ई०

स० ४३/९६-आगृष-१-२०२२-२०३/२०२०टी०सी०-३०४० लोक सेवा आयोग प्रगांगराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय यूनानी विकित्सालयों में यूनानी विकित्साधिकारी (वैकलाग) के अवैनीत पदों के सापेक्ष ०८ पदों पर सीधी भर्ती द्वारा स्थान के उपलब्ध करायी गयी सरतुति के आधार पर बयनित यूनानी विकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल द्वारा (क्रमांक / रजिस्ट्रेशन नम्बर ०७/५३३००४७७९४) (अनुसूचित जाति/महिला, डाँ० नेह मारती पुत्री श्री परशुराम निवासी म०००-१४५) एक मिनार वाली मर्सिजद के पास मा० एमन झड़ जलाल नगर जिला शहजहापुर ३०४०-२४२००१ को उत्तर प्रदेश राज्य विकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथासंशोधित के अन्तर्गत पुनरीक्षित तेतन मैट्रिक्स के लंबल-१० (प्रयास्य लेवल की ग्राम कांस्थिका की राशि) के मन्त्रागत मौनिक रूप से निम्नलिखित रूपों एवं

प्रतिवन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय यूनानी चिकित्सालय सिराँसा नासिर जनपद लखीमपुर में रिक्त पद पर नियुक्ता/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी का उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वष की परिवीक्षा पर रुक्खा जायगा।
- (2) नियुक्ता चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादार्शों के अन्तर्गत अनुमन्य भगाइ भत्ता तथा अन्य भत्ते ग्राहि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 26 मार्च 2005 हारा लागू नवर्परिभारित अस्तान योग्यता प्रदृश्य होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-मत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अक्षे छरित्र वा प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न बताये जाने तथा भा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ०प्र० भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा दिये गए स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतिक्रिया।
 - [4] ओथ्र आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] घल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर के रामकृष्ण एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं तो उनका भग्यधन निरस्त करने पर शारान स्तर पर विचार किया जायगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) संता संघ में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग उ०प्र० द्वारा प्राप्त अस्तता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार नियांसित की जायेगी।
- (9) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी। यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त यूनानी चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रधास किया जायेगा, तो उसके हस कृत्य/आचरण का सरकारी कमेंटारी आधरण नियमावली 1956 के नियम-27 का उल्लंघन भानते हुये उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश राजकारी रोकक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के सुसगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

सं० 44/प्र०-प्राय०-१-२०२२-२०३/२०२०टी०सी०-उ०प्र० लोक सेवा आयोग प्रगांगराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय यूनानी चिकित्सालयों में यूनानी चिकित्साधिकारी (बैकलाग) के अप्रैन्ति पदों के सापेक्ष 08 पदों पर सीधी भत्ते द्वारा भर्यने के उपरान्त पत्र संख्या २९७/०४/डी०ज्ञ०/एस-११/२०१९-१०टी०सी०, दिनांक ०४ मार्च, २०२१ के माध्यम

से उपलब्ध करायी गयी संस्तुति के आधार पर चयनित यूनानी चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल द्वारा (क्रमांक / रजिस्ट्रेशन नम्बर 11/53300047916) (अनुसूचित जाति/महिला) डा० वन्दना रजक पुत्री श्री इन्द्रजीत रजक निवासी म००८०-८०४ खाती बाबा इंगाइ टोला, जिला आसी उ०प्र०-२८४००३ को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथासंशोधित के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-१० (प्रयोग्य लवल की प्रथम कांडिका की राशि) के अन्तर्गत भौतिक रूप से निम्नलिखित शब्दों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाइ रूप से राज्यीय यूनानी चिकित्सालय नगर हनौली, जनपद बादा में रिक्त पद पर नियुक्ता/तैनात करने की सहज स्वीकृति प्रदान करती है—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथासंशोधित २००८ के नियम-१७ के अधीन ०२ वर्ष की परियोगा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वंतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमत्या महंगाइ भत्ता तथा अन्य भत्ता जादि भी देंगे होंगे।
- (3) वित (समान्य) अनुमत्य-३ की अधिसूचना संख्या रा-३-३७९ / दस-२००५-३१(६) / २००३ दिनांक २८ मार्च २००५ द्वारा लागू नवप्रियमानित अशादान पेशन योजना प्रवृत्त स्थैगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली १९९० यथासंशोधित २००८ में उत्तिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कायमार थाहण करन हैंतु किसी प्रकार का याचा-भत्ता अदि देय न होगा।
- (6) कायमार थाहण करने के पूर्ण सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रभाण-पत्र प्रसन्नत करने होंगे—
 - [1] ०२ ऐसे राजप्रिय अधिकारियों जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे घरित्र का प्रभाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न घलाये जान तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ०प्र० मारतीय धिकित्सा परिपद द्वारा दिये गए स्थानी पंजीकरण की ०२ प्रमाणित प्रतिया।
 - [4] ओष आफ एलीजियन्स का प्रभाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रभाण-पत्र।
 - [6] अल तथा अचल सम्पत्ति का प्रभाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रभाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-६ में अंकित सभी प्रभाण-पत्रों सहित उपनी तेनानी क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बादा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रसन्नत करके योगदान की सूचना देंग यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तेनानी स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देन हैं तो उनका अभार्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संबंध में उक्त चिकित्साधिकारी की छानिता लोक सेवा आयोग उ०प्र० द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथासमय नियमानुसार नियोजित की जारीगी।
- (9) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों का स्थानान्तरण की सुविधा अनुमत्य नहीं होगी यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त यूनानी चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव ढलवाने का प्रयास किया जायेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण का सरकारी कमचारी आवरण नियमावली १९५८' के नियम-२७ का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली १९९९ के गुसमत प्रक्रियानों के अनुसार कायवाही की जायेगी।

आङ्गा से
शीलेन्द्र कुमार
संयुक्त सचिव।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग

अनुमान-13

आंपबधिक नियुक्ति

03 नवम्बर, 2021 ई०

स० 1508, सत्ताइस-13-2021-49/21 लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियन्त्रण सेवा (सामान्य/विशेष व्यय) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के लिए यद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाक सेवा आयोग ३०प्र०। प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री माझल प्रताप सिंह पुत्र श्री विजय राज सिंह का विवरण निम्नवत है-

स०	नाम, पिता	जन्म-तिथि	अनुकमाक	गृह	स्थाइ पता	पत्र व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
	का नाम			जनपद			

सावधी—

20 माझल प्रताप १०-०१-१९९५ 134994	सतना माझल प्रताप सिंह ग्राम (मध्य महादेवा, पो० विहरा न० १ प्रदेश) १ तहसील कोलाल सतना, मध्य प्रदेश- 485226	माझल प्रताप सिंह ग्राम (मध्य महादेवा, पो० विहरा न० १ प्रदेश) १ तहसील कोटार सतना, मध्य प्रदेश- 485226
		485226

2-हासनादेश संख्या ०४/२०२१/१/४/२०११-का-४-२०२१ दिनांक 29 अप्रैल २०२१ में उल्लिखित व्यापथा के अनुसूच लोक सेवा आयोग ३०प्र०। प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, १०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैण्ड रु० 15,600-३९ 100 (प्र० ८० ५,४००) में कार्यालय प्रभुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, १०प्र० में ०२ वर्ष की परिवेद्धा पर आंपबधिक रूप से नियुक्त किये जाने की श्री शशांक निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहब स्वीकृति प्रदान करने हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त आंपबधिक नियुक्ति इस भर्ती के राय प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का अविड एवं पूर्ववृत्त सम्पादित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्व सत्यापन या धावणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो आंपबधिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आंपबधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त आंपबधिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों का असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये दिनों कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में निमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कारभार इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अदृश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अस्थाय निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को सफनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा मत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अम्यांटी को ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार नियंत्रित की जायेगी।

(6) नवद्यनित सहायक अभियन्ता को वंतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महांगाई भरता व अन्य देय भरते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के फार्माचार ग्रहण करने से पूर्व कायालय प्रमुख अमियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यथ कहीं कायालत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या रवीकार किये जाये। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशत संस्तुति प्रवित की गयी है उनके द्वारा अनाप्तिप्रमाण-पत्र (N O C) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या रवीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश संख्या 04 / 2021 / 1 / 4 / 2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उत्तिष्ठित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्व-घोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभियन्ता को कार्यमार्ग यहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जग्य स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार्ग प्रमाणक सहित तरन्त प्रेषित करेंगे—

|| केवल एक जीवित पली होने का प्रभाष-पत्र ||

अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी यज-अचल सम्पत्ति का विवरण

[[[[[राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साड़ज की 02 फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्त्वापन-पत्र एव स्व-शोषणा-पत्र।

रम 1509 / सत्ताई-13-2021-49 / 21-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश हासा आयोजित सभिभित राज्य अभियंत्रण सेवा (समान्य / विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (भिविल) सिंचाइ एवं जल संरक्षण यिमाग के सीधी गती के रिक्त पद पर यथनित अभ्यर्थियों के रापेक्ष लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश गराज हासा नियुक्ति हेतु सस्तत किये गये अभ्यर्थी श्री भागर सिंह मेहता पउ श्री नरेन्द्र सिंह मेहता का विवरण निम्नवत है-

क्रमांक	नाम / पेता का नाम	जन्म-तिथि	अनुक्रमांक	गृह जनपद	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अभ्युक्ति
सरकारी—							
21	सागर सिंह मेहता / नरेन्द्र सिंह मेहता	06-06-1992	84000	सोनमढ म0 बादी बिल्डिंग म0 बादी बिल्डिंग भैटेरियल्स, चांदी भैटेरियल्स, चांदी रिहाइ, तिराहा, बाईं पास रोड बाईं पास रोड सोनमढ, सोनमढ, उत्तराखण्ड-231216 उत्तराखण्ड-231216			

2—शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग रु0प्र० प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्ति हेतु सस्तुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग रु0प्र० में सहायक अधिकारी (सिपिविल) के पद पर बतन बैण्ड रु 15,600-39,100 (योग्य पर रु 0 5,400) में

कार्यालय प्रमुख अधिकारी सिचाई एवं जल संसाधन विभाग 30५० में 02 वर्ष की परिवेश पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री सञ्चालित शर्तों के अधीन सहवां स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का अधिकारी एवं पूर्ववृत्त सल्लाहित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्व सत्यापन या शांघणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्थरूप अन्य आपराधिक/विविक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थीयों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाएँ बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार, इस भादेश के नियंत्र होन के एक माह के अन्वर अवश्य ग्रहण कर लेना होता। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अन्यथा निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भल्ला इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्योरता भाद में नियमानुसार नियारित की जायेगी।

(6) नवधरणित सहायक अधिकारी को येतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महगाइ भत्ता य अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुभव्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अधिकारी के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कायरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जाते। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से द्यमित जिन अभ्यर्थीयों की आगोग द्वारा सशांत सम्मुक्ति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N O C) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनावंश सख्ता 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित अवस्था के अनुसार अभ्यर्थीयों से नियारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वाधारणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अधिकारी सिचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अधिप्रमाणित प्रानीलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II] अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण ।

[III] राजपत्रिल अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो ।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वाधारणा-पत्र ।

स० 1610 / सत्ताईस-13-2021-49/ 21-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अधिग्रन्थन सेवा (समान्य/ विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अधिकारी (सेविल, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर चयनित अध्यार्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु सरतुत किये गये अध्यार्थी श्री शिव कुमार शुक्ला पुत्र स्व० गणेश दत्त शुक्ला का विवरण निम्नवत है-

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-स्थिति	अनुक्रमांक	गृह संख्या	पता जनपद	रक्षाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अध्यक्षित
------	-----------------	-------------	------------	------------	----------	------------	---------------------	-----------

सर्वश्री—

22	शिव कुमार 03-07-1993 स्व० गणेश दत्त	गोरखपुर शिव कुमार शुक्ला शिव कुमार शुक्ला पुत्र अयोग द्वारा पुन स्व० गणेश दत्त स्व० गणेश दत्त शुक्ला, सशते सरतुत शुक्ला, म०प्र० 250 म०प्र० 250 गांव भड़िगांवा अनापत्ति गाय मधिगावा, पौ० पौ०आ०, कन्हैल, थाना प्रमाण-पत्र आ०, कन्हैल, थाना बेलीपर, गोरखपुर, उ०प्र०- (N.O.C.) बेलीपर, गोरखपुर 273413 प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये
----	-------------------------------------	--

2—शासनादेश राख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक में आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु सरतुत उपर्युक्त अध्यार्थी को सिद्धाइ एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र० में सहायक अधिकारी (सेविल) के पद पर येतन बैण्ड रु० 15 600-39 100 (बैण्ड पे रु० 5,400) में कार्यालय प्रमुख अधिकारी सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र० में 02 दर्श की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहव स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अध्यार्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस रूप के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अध्यार्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अध्यार्थी द्वारा अपने ये सत्यापन या शोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप प्रन्थ आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नियान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि दाद में अध्यार्थीयों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाए बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अध्यार्थी को अपना कार्यालय इस आदेश के निगल होने के एक मह के भन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अध्यार्थी इस अवधि में कार्यालय ग्रहण नहीं करता है तो उसका अध्ययन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अध्यार्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यालय ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-समान द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महाई भत्ता और अन्य देश भर्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार गहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र झर्ही कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आँख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपदेशिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशत सम्मति प्रेषित की जायी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आँख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/१/४/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में संलिपित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वीकार-पत्र द्वारा किए जाने के उपरान्त ही योगदान आँख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता रिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिगिटों की आवश्यक जाच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिगिटों की अभिप्राणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

||I| केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र |

||II| अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण

||III| राजपत्रिल अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

||IV| अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वीकार-पत्र |

स० 1511/सन्ताई-13-2021-49/21-लोक संवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित राम्मिलित राज्य अभियान्त्रण सेवा (सामाज्य/दिशेष योग्य) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (रिविल, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भर्ती के रिक्त पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग उठप्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु सम्मत किये गये अभ्यर्थी श्री सारम त्रिपाठी पुत्र श्री नागर दत्त त्रिपाठी का विवरण निम्नवत है-

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	आनुक्रमक अनुप्रद	गृह	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अन्यूनित
23	सारम त्रिपाठी/ त्रिपाठी	21-05-1997	33123	गोडाम अक्ष नारायण तिवारी, श्री सतीश शर्मा, हाउस (सारमराम) याम खेरा प्लॉ दुमागी न० 27८ लैन न० 2 विहार सेहताम सासपत्तम, कैश्वर नगर, सिविल निहार-621104	लैन-2, जग्मुर राजस्थान-302006		

सर्वश्री—

23 सारम त्रिपाठी/ त्रिपाठी	21-05-1997	33123	गोडाम अक्ष नारायण तिवारी, श्री सतीश शर्मा, हाउस (सारमराम) याम खेरा प्लॉ दुमागी न० 27८ लैन न० 2 विहार सेहताम सासपत्तम, कैश्वर नगर, सिविल निहार-621104	लैन-2, जग्मुर राजस्थान-302006
नामसं	दत्ता			
त्रिपाठी				

2—शासनादेश संख्या 04/2021/१/४/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में संलिपित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग उठप्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु सम्मत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन

दिमाग ७०४० में सहायक अभियन्ता (मिविल) के पद पर बेतन बैण्ड रु० 15,600-39,100 (प्रेड पे रु० 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता। सिचाई एवं जल संसाधन विभाग ७०४० में ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री सज्जपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहयोगी स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(१) उक्त अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी फा चरित्र एवं पूर्णता सन्तुष्टि नहीं हाता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्व सत्यापन या धोषणा-पत्र में कोई गलत मूलना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप उन्हें आपचारिक/विधिक कार्यदाही भी की जायेगी।

(२) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यादे बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पागा जाता है तो उनकी सेवाएं बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपचारिक (विभिन्नता) कार्यदाही भी जायेगी।

(३) उक्त अभ्यर्थी को अपना कारोबार इस आदेश के नियंत्र होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण एवं लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(४) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदरथापना के स्थान पर कारोबार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(५) उक्त अभ्यर्थी की रेष्टना बाट में नियमानुसार निर्धारित भी जायेगी।

(६) नवशैक्षित भवायक अभियन्ता को योगदान के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महांगाई भत्ता व अन्य देय भत्तो भी नियमानुसार अनुमत्य दी जायेगी।

(७) अभ्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के सबैपति अधिकारी यह भत्ती-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कायारत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यगुक्ति किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या रवीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से घयनित जिन अभ्यर्थियों की आगोग द्वारा सशांत सस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध करागे जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या रवीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश गल्या ०४/२०२१/१/४/२०११-गा-४-२०२१, दिनांक २९ अप्रैल २०२१ में उल्लिखित घवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रधनों में सत्यापन-पत्र एवं स्वधोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या रवीकार की जायें।

(८) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता निचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जाव रखना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्राणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

[II], अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।

[III], राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की ०२ फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वधोषणा-पत्र।

सं० 1512 / सत्ताईस-13-2021-49 / 21-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सम्भान्य/विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लांक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संतुत किये गये अभ्यर्थी श्री अभिषेक कुमार द्विवेदी पुत्र श्री अनुरोग द्विवेदी का विवरण निम्नवत् है—

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	अनुक्रमक नं०	गृह स्थाई पता जानपद	पत्र व्यवहार का पता	अन्युक्ति
------	-----------------	-----------	--------------	---------------------	---------------------	-----------

सर्वश्री—

24	अभिषेक कुमार	13-02-1993	65706	माधाल (मन्य प्रदेश)	अभिषेक कुमार द्विवेदी अभिषेक कुमार द्विवेदी वी-456, सतंवर्म वी-455, सतंवर्म कालोनी, कालोनी, कोलार सेड, कोलार गेड, शोपाल भूमा शोपाल मन्य प्रदेश-462042 462042	अनुरूप लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संतुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर बतन रैण्ड रु 16,600-39 100 (प्राँ० पे रु ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री गजपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहवं रवीकृति प्रदान करते हैं—
----	--------------	------------	-------	---------------------	---	---

2—शासनादेश संख्या ०४ / २०२१ / १ / ४ / २०११-का-४-२०२१ दिनांक २९ अप्रैल २०२१ में उत्तिवित वारस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संतुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर बतन रैण्ड रु 16,600-39 100 (प्राँ० पे रु ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री गजपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहवं रवीकृति प्रदान करते हैं—

(१) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का अन्यत्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने रव सत्यापन या कांथणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम रवरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(२) गह नियुक्ति निरान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थीयों के सम्बन्ध में दिये गए प्रमाण-पत्र एवं अन्य संसाधनों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये बिना फोइ कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (किमिनल कार्यवाही की जायेगी।

(३) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(४) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई गात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(५) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(६) नववयनित सहायक अभियन्ता को बेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता या अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(७) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कायरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-

पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जाये। उक्त के साथ ही औपर्युक्त रूप से घयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सशत संस्कृति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रा में सत्यापन-पत्र एवं स्वाधोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(१) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार्ग ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रपाण-पत्र एवं डिप्रियों की आवश्यक जांच स्थग कराना सुनिहित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिप्रियों की अभिप्राणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार्ग प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II] अभ्यर्थी द्वारा स्थग के हस्ताक्षर से अपनी चल-जचल सम्पत्ति का विवरण ।

[III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो ।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वाधोषणा-पत्र ।

सं 1513 / सत्ताई-13-2021-49 / 21-लाक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/ विशेष घयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर घयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रगतगराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्कृत किये गये अभ्यर्थी श्री उत्कर्ष गोगल पुत्र श्री प्रभाद कुगार गोयल का विवरण निम्नवत् है-

अंक	नाम/पिता का जन्म-तिथि	जन्मक्रमांक	गृह आवास	स्थाई पता जाभपद	पत्र व्यवहार का पता	अनुकूल
सर्वशी—						
25	उत्कर्ष गोयल / 10-08-1996	61444	मेरठ	उत्कर्ष गोयल, 511/1 उत्कर्ष गोयल 511/1 फूलबाग कालोनी, फूलबाग कालोनी, नगर नगर निगम डिपो के निगम डिपो के सामने, सामने, मेरठ, उ०प्र०- २५०००२ २५०००२		

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रगतगराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्कृत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु० 15,600-39,100 (यैड पे रु० ३,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में 02 वर्ष की परिदीक्षा पर औपर्युक्त रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहृदयीकृति प्रदान करने हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपर्युक्त नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्वास्थ्यापन या गंगणा-पत्र में कोई गलत

सुन्नता दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यदाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अध्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य संवाद शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाएँ बिना कोई काशण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विमर्शीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यदाही की जायेगी।

(3) उक्त अध्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के नियंत्र होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अध्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अध्याधिन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अध्यर्थी जो अपनी नियुक्ति/पदवापना के रथान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु काह यात्रा भला इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अध्यर्थी की जोष्टता घाट में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवधगनित सहायक अभियन्ता को योतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-नियम पर स्वीकृत महगाइ मत्ता व अन्य देय मत्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होगे।

(7) अध्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व काशात्य प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अध्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं काशयत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अध्यर्थियों की आयांग हारा सशत संमतुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C), उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश सख्ता 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अध्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता रिचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के अधिकारी अध्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जात्र स्वर्ग कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रमाणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन की कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

[II] अध्यर्थी द्वारा स्वय के हस्ताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।

[III], राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अध्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

[IV] अध्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र।

ल० 1514/सत्ताई-13-2021-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण रेखा (सामान्य/विशेष ध्ययन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल रिचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भत्ती के रिक्त पद पर चयनित अध्यर्थियों के साप्तस लोक सेवा आयोग -0030, प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु सत्युत किये गये अध्यर्थी श्री मोहम्मद अजर पुत्र श्री मोहम्मद एजाज का विवरण निम्नवत है—

ब्र0	नाम/पिता का समाज	जन्म-तिथि जन्मपद	अनुक्रमांक गृह	स्थान्त्रि पता	पत्र व्यवहार का पता	अन्युक्ति
------	---------------------	---------------------	-------------------	----------------	---------------------	-----------

सचिवी—

26	मोहम्मद अजर / मोहम्मद रुजाज	18-02-1995 44255	बरेली कर्किरं टोला, पुरान शहर बरेली, उ०प्र०-	मोहम्मद रुजाज 119 कर्किरं टोला, पुरान शहर बरेली, उ०प्र०- 243005	मोहम्मद रुजाज 119 कर्किरं टोला, पुरान शहर बरेली, उ०प्र०- 243005
----	--------------------------------	---------------------	--	--	--

2-शासनादेश संख्या 04 / 2021 / 1 / 4 / 2011-वा-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उत्तिष्ठित घटस्था के अनुसार लोक सेवा आयोग, उ०प्र०. प्रयागराज हारा नियुक्ति हेतु सरतुल उपर्युक्त अध्यर्थी को सिद्धाई एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अधियन्ता (सिद्धिल) के पद पर वेतन बैण्ड रु 15 600-३५ ०० (ब्रेड पे रु 5,400) में कार्यालय प्रमुख अधियन्ता सिद्धाई एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में 02 वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की की राज्यपाल नियन्त्रित रातों के अधीन सहवै स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(1) अध्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस रात के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अध्यर्थी का घरिष्ठ एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अध्यर्थी हारा अपने स्व सत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विचिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नियान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अध्यर्थीयों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शतों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण तत्काल रामापत कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (फ्रिगिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अध्यर्थी को अपना कारोबार इस आदेश के नियंत्र होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अध्यर्थी इस अवधि में कारोबार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अध्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अध्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के रथान पर कारोबार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अध्यर्थी की ज्योष्ट्रना बाद में नियमानुसार नियान्ति की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अधियन्ता का वेतन के साथ-साथ शासन हारा समय-समय पर रवीकृत महंगाई भत्ता थं अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अध्यर्थी के कारोबार ग्रहण करने से पृथं कार्यालय प्रमुख अधियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भत्ती-भत्ति सुनिश्चित कर तोरे कि अध्यर्थी गदि पूर्व में अन्यरङ्क कहीं कारोबार रहा हो तो उनके हारा तकनीकी त्याग-पत्र/कारोबार किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अध्यर्थीयों की आयोग हारा सम्पत्ति प्रेषित की गयी है उनके हारा अनापत्ति प्रमाण पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये हरी के साथ शासनादेश संख्या 04 / 2021 / 1 / 4 / 2011-वा-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उत्तिष्ठित घटस्था के अनुसार अध्यर्थीयों से नियान्ति प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अध्यर्थी को कायमार प्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जाच खबर कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रापणित प्रतिलिपियाँ निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कायमार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II], अध्यर्थी द्वारा खबर के हस्ताक्षर रो अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण,

[III] राजपरिवत अधिकारी द्वारा प्रमाणित अध्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

[IV] अध्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं रक्धोपणा-पत्र।

सं० 1515 / सत्ताइंस-13-2021-49/21 लाक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सत्यापन/विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर वयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु सस्तुत किये गये अध्यर्थी श्री नमन मिश्रा पुत्र श्री प्रमात्र नारायण मिश्रा का विवरण निम्नवत है—

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि अनुक्रमान् करण	अनुक्रमाक गृह जनपद	स्थाई पता	पत्र वायवाहार का पता	अभ्युक्ति
स्वर्णक्री-						
27	नमन मिश्रा / नमन मिश्रा	09-09-1995 134175	कानपुर नगर शहर	नमन मिश्रा पुत्र श्री प्रमात्र नारायण मिश्रा, सी 17, मिश्रा, सी 17, विल बैंक, बरा, कानपुर नगर, उ०प्र०-208027	नमन मिश्रा पुत्र श्री प्रमात्र नारायण मिश्रा, सी 17, विल बैंक, बरा, कानपुर नगर, उ०प्र०-208027	

2-शासनादेश सख्ता 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनाक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लाक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु सस्तुत उपर्युक्त अध्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंण रु० 15,600-39 100 (ग्रेड ऐ रु० 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाइ एवं जल रांसाधन विभाग उ०प्र० में 02 वर्ष की परियोक्षण पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की शासनादेश निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहज स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अध्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अध्यर्थी का वरिष्ठ एवं पूर्णवृत्त सत्यापित नहीं होता है या अध्यर्थी द्वारा अपने रक्ष सत्यापन या धारणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्थरूप अन्य आपराधिक/सिविल कायदाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति निनान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि नाद में अध्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा भौती को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कायदाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यमार इस आदेश के निंगत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अन्वयन विरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यमार ग्रहण करने हेतु काँड़ यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्योष्ठता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(6) नवचयनित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-रामय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के सम्बन्धित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अव्यक्त कहीं कार्यस्त रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त विये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आगोग द्वारा राशत रास्त्रत्र प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N O C) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये हस्ती के साथ शासनादेश सत्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्तापन-पत्र एवं स्वाधोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिधाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रीों की आवश्यक जांच स्वयं करना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रमाण-पत्र एवं डिग्रीों की अनिग्रहणित प्रतिलिपिया नियन्त्रित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार प्रमाणक सहित सुरक्षा प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित भली होने का प्रमाण-पत्र ।

[II] अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चल-जाल सम्पत्ति का विवरण

[III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्तापन-पत्र एवं रद्द धोषणा-पत्र ।

स० 1516 / सत्ताईस-13-2021-49 / 21-लोक संवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियान भेदा (समान्य/विशेष धर्यन) घरेला 2019 के आधार पर अहायक अभियन्ता (रिविल) रिकाई एवं जल संरक्षण विभाग के सीधी मती के रिक्त पद पर घण्टित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा नियुक्ति हेतु सस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री नारेन्द्र सिंह परिहार का विवरण निम्नवत् है-

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	जन्मक्रमांक	गृह	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अन्युक्ति
सर्वश्री—							
28	नारेन्द्र सिंह	13-08-1996	6656	रीवा (क्षेत्र पुष्पेन्द्र सिंह परिहार प्रदेश)	एफ-02 गोडहर एम०	एफ-02 गोडहर एम०	
	परिहार/पुष्पेन्द्र				पी०एसर्टी०बी० कलोनी	पी०एसर्टी०बी० कलोनी	
	सिंह परिहार				रीवा भव्य प्रदेश-	रीवा भव्य प्रदेश-	
					456001	486001	

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर बतन बेण्ड रु० 15,600-३९१०० (प्रेड पे रु० ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग, उ०प्र० में ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहब स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के राय प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्य सत्यापन या घाँटणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो प्रोपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक / विधिक कार्यवाही भी की जायगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं भ्रष्टाचारी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपगणिक (क्रिमिनल) कार्यवाही भी जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अद्यति में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के रथान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की जगहत बाट में नियमानुसार निर्धारित की जायगी।

(6) नवधगनित राज्यालय अभियन्ता को बेतन के साथ-साथ शारन द्वारा राज्य-समय पर स्वीकृत महागाइ भत्ता व अन्य देय भत्तो भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के सम्बन्धित अधिकारी यह भली-भत्ति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी गढ़ पूर्व में अन्यत्र कहीं कारोरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्राग-पत्र/कार्यमुक्ति किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जाये। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा संशोधन संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के संपरक्ष ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग सत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उनके भूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वग कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अधिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

||I| केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

||II| अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी बल-अवल सम्पत्ति का विवरण ।

||III| साजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की ०२ फोटो ।

||IV| अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराना यथा सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र ।

सं० 1517 / सत्ताई०-१३-२०२१-४९/२१—लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अभियन्त्रण सेवा (राजमान्य/विशेष चयन) परिक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संरक्षण विभाग के सीधी गती के रिक्त पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सेवा आयोग ००प्र० प्रयागराज द्वारा निरूपित हेतु संस्कृत किये गये अभ्यर्थी श्री अमिकेश सिंह जादौन पुत्र श्री अशोक सिंह जादौन का विवरण विस्तृत है—

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	अनुक्रमानुक्रमानुक्रम	गृह स्थाइ पता	पता व्यवहार का पता	अम्बुक्ति
				जनपद		

सदस्य—

२९	अमिकेश	सिंह	१७.०१.१९९६	९३०५६	गवालियर	अशोक	सिंह	जादौन	अशोक	सिंह	जादौन,
	जादौन/अशोक				(मध्य प्रदेश)	कर्नल	साहब	की	कर्नल	साहब	की
	सिंह जादौन				दियोडी,	जलाल	दियोडी,	जलाल			
					खान	की	गोठ,	खान	की	गोठ,	
					फालका	बाजार,	फालका	बाजार			
					गवालियर,	म०प्र०-	गवालियर,	म०प्र०-			
					४७४००१		४७४००१				

२—ज्ञाननादेश संख्या ०४/२०२१/१/४/२०११-का-४-२०२१ दिनांक २९ अप्रैल २०२१ में उल्लिखित वाचस्पति के अनुरूप लोक सेवा आयोग ००प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्कृत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संरक्षण विभाग ००प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैण्ड रु १५,८००-३९,१०० (ग्रंड पे रु ५,५००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संरक्षण विभाग ००प्र० में ०२ वष की परियोग्य पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शतों के अधीन सहव रवीकृति प्रदान करते हैं—

(१) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शते के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्व सत्यापन या शोषणा-पत्र में कोई गलत रूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपचारिक/विधिक कार्रवाही भी की जायेगी।

(२) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थीयों के सम्बन्ध में दिग्गं गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शतों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाएँ बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेंगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विमागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्रवाही की जायेंगी।

(३) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के नियत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(४) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा मत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(५) उक्त अभ्यर्थी की ज्योल्तता बाद में नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

(६) नवदग्नित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शारदन द्वारा समय समय पर स्वीकृत महगाई मत्ता व अन्य देय मत्तों भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यस्त रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/ कार्यमुक्ति किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से घोषित जिन अभ्यर्थियों की आशोग द्वारा सशत संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अधारित प्रमाण-पत्र (N O C) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से नियुक्ति प्रपत्र में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, शिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्यंक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्रामाणित प्रतिलिपिया नियन्त्रित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित सुरक्षा प्रेषित करेंगे—

||I| केवल एक जीवित घर्ती होने का प्रमाण-पत्र |

||II| अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी अस-अचल सम्पत्ति का विवरण ;

||III|, राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट लाइज की 02 फोटो।

||IV| अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र |

सं0 1518 / सत्ताईस-13-2021-49/21-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा आगोजित समिक्षित राज्य अभियांत्रण सेवा (सामान्य/ विशेष धरान) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मती के रिक्त पद पर घोषित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री शिव गोविन्द पुत्र श्री अनिल कुमार का विवरण नियमित है—

क्र०	नाम/ पिता का जन्म-निधि अनुक्रमक नाम	गृह जनपद	रेखाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अध्यक्षित
------	--	-------------	-----------	---------------------	-----------

सदा श्री—

30	शिव गोविन्द/ 10-08-1993 25442	फतेहपुर	अनिल कुमार हाउस नं० 173 औरंगाबाद,	अनिल कुमार हाउस नं० 173 औरंगाबाद, फतेहपुर, उ०प्र०- फतेहपुर, उ०प्र०-	
			फतेहपुर,	फतेहपुर,	212659 212659

2—शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग ३०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ३०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैंड रु० 15,600-39,100 (ग्रेड पे रु० 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ३०प्र० में 02 वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री गजयपाल नियन्त्रित शर्तों के जर्दीन सहै स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के माध्य प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का घरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्वसत्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल विरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अभ्यर्थी आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अध्ययितों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं मन्य संवा शतों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण सत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आधिकारिक (किगिनल) कार्यकारी की जायेगी।

(3) उत्तर अभ्यर्थी को अपना कार्यमार इस आदेश के निम्न होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यमार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भला इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उत्तर अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार नियांसित की जायेगी।

(6) नवदयनित सहायक अभियन्ता का वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्तो भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कायान्वय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्य जहाँ कार्यशत रहा हा तो उनके द्वारा तकनीकी स्थान-पत्र/कार्यमूलक किये जाने के उपरान्त ही योगदान आस्था स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से घयनित जिन अध्ययितों की आयाग द्वारा सशत सस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आस्था स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनांदेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में लालितांशु व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से नियांसित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आस्था स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्थग कराना भुविश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अभिप्राप्ति प्रतिलिपिया नियमितियत प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार प्रमाणक महित तुरन्त त्रैषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II], अभ्यर्थी द्वारा स्थाय के हस्ताक्षर से अपनी घल-अचल सम्पत्ति का विवरण ,

[III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं रद्द घोषणा-पत्र ।

स० 1519 / सत्ताई-१३-२०२१-४९ / २१-तांक भेदा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियन्त्रण सेवा (सामान्य/ विशेष बधान) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीई भत्ती के रिक्त पद पर घयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाक संवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु सस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री प्रशान्त पटेल पुत्र भी अवग कुमार पटेल का विवरण नियमित है—

क्र०	नाम/पिता का जन्म-तिथि	अनुक्रमांक	गृह	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अस्तुक्षित
	नाम		जन्मपत्र			

सर्वश्री—

31	प्रशान्त पटेल/ 13-11-1996 110597	बादा	ब्रवन कुमार पटेल	ब्रवन कुमार पटेल
अवन	कुमार		साम्भी बादा, उ०प्र०-	ठाइप 111 12 कोशल
पटेल			210121	भग कालोनी, हरदोह,
				उ०प्र०-241001

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र०, प्रधानमन्त्री द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपयुक्त अभ्यर्थी को सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर बतन बेण्ड रु० 15,600-३९१०० (प्रेड पे रु० ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में ०२ वर्ष की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहब स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के राय प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्य सत्यापन या घाँटणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो प्रोपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक / विधिक कार्यवाही भी की जायगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं भ्रष्टाचारी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपगणिक (क्रिमिनल) कार्यवाही भी जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अद्यति में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के रथान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की जगहत बाट में नियमानुसार निर्धारित की जायगी।

(6) नवधगनित राज्यपाल अभियन्ता जो खेतन के साथ-साथ शारन द्वारा राज्य-समय पर स्वीकृत महाराजा भत्ता व अन्य देय भत्तो भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के सम्बन्धित अधिकारी यह भली-भत्ति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कारोरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्रोग-पत्र/कार्यमुक्ति किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जाये। उक्त के साथ ही अधिकारीक रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा संशोधन संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021, दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाइ एवं जल संसाधन विभाग सत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उनके भूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वग कराना भुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अधिप्रमाणित प्रतिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ जासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

||I| केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

||II| अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी बल-अबल सम्पत्ति का विवरण ।

||III| साजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की ०२ फोटो ।

||IV| अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराना यथा सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र ।

सं० 1520 / सत्ताईस-13-2021-49/21-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अधिग्रन्त सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर चयनित अध्यर्थीयों के साप्तम लालक मवा आयोग ३०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संस्तुत किये गये अध्यर्थी श्री रितेश कुमार सिंह पुत्र श्री शिवन्द्र प्रताप सिंह का विवरण निम्नवत है-

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	अनुक्रमक नं	गृह	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अस्युक्ति
				जनपद			

सर्वश्री—

32	रितेश कुमार सिंह/ ०८-०१-१९९६	१३७२०	जीनपुर	शिवन्द्र प्रताप सिंह	शिवन्द्र प्रताप सिंह
			बानेवरा,	बानेवरा,	बानेवरा,
			जीनपुर,	जीनपुर,	जीनपुर

उपरोक्त परिवर्तन नं ०२०४०-२२२१२०

उपरोक्त परिवर्तन नं ०२०४०-२२२१२०

२- शासनादेश सख्ता ०४/२०२१/१/४/२०११-का-४-२०२१ दिनांक २९ अप्रैल २०२१ में उल्लिखित घावस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग ३०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संस्तुत उपयुक्त अभार्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ३०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वेतन बैण्ड रु० १५,६००-३९०० (प्रैछ मेरु ०५,४००) में प्रायोलग प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ३०प्र० मेरु ०२ वर्ष की परियोग्यता पर औपचारिक रूप से नियुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल नियन्त्रित शर्तों के अधीन राहते स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(१) अभार्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अध्यर्थी का घण्टि एवं पूर्णवृत्त रात्गापित नहीं होता है तो अध्यर्थी द्वारा अपने रचरत्यापन या गोपणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(२) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अध्यर्थीयों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों के असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें विना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असल्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(३) उक्त अभार्थी को अपना कार्यमार इस आदेश के नियंत्र होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अध्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अध्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

(४) अध्यर्थी का अपनी नियुक्ति/पदरथापना के स्थान पर कार्यमार ग्रहण करने हेतु कोई गाजा भत्ता छत्यादि देय नहीं होगा।

(५) उक्त अभार्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार नियंत्रित की जायेगी।

(६) नवघ्यनित महायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शपरन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महगाई भत्ता व अन्य देय भर्ते भी नियमानुसार अनुसन्धान होंगे।

(७) अध्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कायालय प्रमुख अभियन्ता के सर्वांगित अधिकारी यह भली-भाति सुनिश्चित कर लेंगे कि अध्यर्थी यदि धूप में अन्यन्त कहीं कायरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कायेमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अध्यर्थियों की आगोग द्वारा सशर्त सस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ

शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-घट्र एवं स्वाधोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश का अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रिया की आवश्यक जाच रखने कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-घट्र एवं डिग्रियों को अभिप्राप्ति प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

- [I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।
- [II] अभ्यर्थी हारा स्वयं के हस्ताक्षर से अपनी चलन-अचल सम्पत्ति का विवरण ।
- [III] सजपत्रिन अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फाटो ।
- [IV] अभ्यर्थी हारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-घट्र एवं स्वाधोषणा-पत्र ।

सं० 1521/सन्नाइस-१३-२०२१-४९/२१-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश हारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष त्वयन) परीक्षा, 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भती के रिक्त पद पर घरानित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लाल सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संरक्षित किये गये अभ्यर्थी श्री सुनील कुमार मिश्रा पुरुष श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा का विवरण निम्नप्रत है—

क्र०	नाम/पिता जन्म-तिथि अनुक्रमाक का नाम	गृह स्थान पता जनपद	पत्र व्यवहार का घटा अभ्युक्ति
सरदारी—			
33	सुनील कुमार 12-10-1977 98663 अम्बेडकर गजेन्द्र प्रसाद मिश्रा गिरिहा/राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा	नगर निकासगुर अम्बेडकर नगर, उ०प्र०-224137	सुनील कुमार मिश्रा टी 6 603 एन्डिको सीआरएस, सेक्टर 6, लखनऊ, उ०प्र०- 226029

2—शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग उ०प्र० प्रयागराज हारा नियुक्त हेतु संस्तुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को रिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर दत्तन बैण्ड रु० 15,800-३९ 100 (ग्रेड पे रु० 5,400) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिचाई एवं जल संसाधन विभाग उ०प्र० में 02 वर्ष की परियोग्या पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किया जाने की श्री राजाधान निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहवै स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी हारा अपने स्वास्त्यापन या घोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम रद्द कर अन्य आपचारिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नितान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि छाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा जर्ती के असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपचारिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यमार इस आदेश के निंगत होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अन्वयन विरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यमार ग्रहण करने हेतु कोई यात्रा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्येष्ठता बाद में नियमानुसार निधारित की जायेगी।

(6) नवधर्मगित सहायक अभियन्ता को वेतन के साथ-साथ शारन द्वारा समग्र-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता एवं अन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुभव्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के सधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूरे में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक सम से यथनित जिन अभ्यर्थियों की आयोग द्वारा सभी सस्तुति प्राप्ति की गयी है उनके द्वारा अनापलिं प्रमाण-पत्र (NOC), उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये इसी के साथ शासनांदेश सख्ता 04/2021/1/4/2021-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से निधारित द्रष्टव्यों में सत्यापन-पत्र एवं स्वधोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंधाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी को कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की अग्रिप्रमाणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यमार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II] अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हरताक्षर से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण

[III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वधोषणा-पत्र ।

सं० 1622 / सत्ताईस-१३-२०२१-४९/२१-लंक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयाजित समिलित राज्य अभियान रोड़ा (रामान्य/विशेष धारान) परिष्का 2019 में आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंधाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी भत्ता के रिति पद पर चयनित अभ्यर्थियों के सापेक्ष लोक सभा आयोग ३०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री गवीश बालद्वाज पुत्र श्री सजीव भारद्वाज का विवरण निम्नवत है—

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि अनुक्रमक जन्मपद	गृह स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	अन्युक्ति
------	--------------------	---------------------------------	------------------	---------------------	-----------

सर्वश्री—

34	गवीश बालद्वाज/ संजीव बालद्वाज	17-09-1984	60432	हापुड़ रमजय बालद्वाज, 32- (पंचशील नगर) नियर बटरटेक, हापुड़ (पंचशील नगर), उपग्र०-245101	रमजय भारद्वाज, 32- 814 देवलोक कालोनी, 814 देवलोक कालोनी, नियर बटरटेक, हापुड़ (पंचशील नगर), उपग्र०-245101
----	-------------------------------	------------	-------	--	--

2-शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग उम्प्र० प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्ति हेतु समनुत उपर्युक्त अभ्यर्थी को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ३०५० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर बैतन बैंड रु० 15,600-३९,१०० (प्रड० पे रु० ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ३०५० में ०२ दब की परिवीक्षा पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शब्दों के अधीन सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं-

(1) अभ्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शब्द के साथ प्रदान की जा रही है कि अदि अभ्यर्थी का चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अभ्यर्थी द्वारा अपने स्य सत्यापन या स्थोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्यरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी दी जायेगी।

(2) यह नियुक्ति निरान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाद में अभ्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गए प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शब्दों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाये बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (क्रिमिनल) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अभ्यर्थी को अपना कार्यभार इस आदेश के नियंत्र होने के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होता। यदि अभ्यर्थी इस अवधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभ्यधन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अभ्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु कोई गाड़ा भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अभ्यर्थी की ज्योष्टसा याद में नियमानुसार नियोजित की जायेगी।

(6) नवयनित सहायक अभियन्ता को योगदान के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता व अन्य देय भत्तों भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अभ्यर्थी के कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भत्ता-भत्ताएं सुनिश्चित कर लेंगे कि अभ्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा है तो उनके द्वारा तकनीकी तथाग-पत्र/कार्यमूलक फिरे जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार किये जाते। उक्त के साथ ही औपचारिक रूप से चयनित जिन अभियंताओं की आयोग द्वारा संस्कृति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N O C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये हसी के साथ शासनादेश संख्या 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अभ्यर्थियों से नियोजित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी का कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एवं डिगिटों की आवश्यक जांच स्वयं कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एवं डिगिटों की अभिप्रापणित प्रमिलिपियां निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमापक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

[I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।

[II], अभ्यर्थी द्वारा स्वयं के हरताकार से अपनी चल-अचल सम्पत्ति का विवरण।

[III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमापित अभ्यर्थी के पासपार्ट साइज की ०२ फोटो।

[IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एवं स्वघोषणा-पत्र।

सं० 1823 / सत्ताईस-13-2021-49/21-लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समिलित राज्य अधिग्रन्त्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा 2019 के आधार पर सहायक अभियन्ता (सिविल) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सीधी मर्ती के रिक्त पद पर चयनित अध्यर्थीयों के सापेक्ष लालक मत्रा आयोग ८०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्त हेतु संस्तुत किये गये अध्यर्थी श्री विजय कुमार पुत्र श्री रविन्द्र कुमार का विवरण निम्नवत है—

क्र०	नाम/पिता का नाम	जन्म-तिथि	अनुक्रमक नं	गृह जनपद	स्थाइ पता	पत्र व्यवहार का पता	अम्बुद्धि
स्थानी—							
35	विजय कुमार/ रविन्द्र कुमार	21-09-1992	101144	गया (बिहार)	रविन्द्र कुमार सीढ़ी एस कालोनी, एस कालोनी, पिता पितामहेश्वर रमना महेश्वर रमना रोड रोड गया, बिहार-गया, बिहार-823001	रविन्द्र कुमार सीढ़ी एस कालोनी, एस कालोनी, पिता पितामहेश्वर रमना महेश्वर रमना रोड रोड गया, बिहार-गया, बिहार-823001	823001

2—शासनादेश सख्ता 04/2021/1/4/2011-का-4-2021 दिनांक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यावस्था के अनुरूप लोक सेवा आयोग ८०प्र० प्रयागराज द्वारा नियुक्ति हेतु संस्तुत उपयुक्त अध्यर्थी को भिद्यालङ्घ एवं जल संसाधन विभाग ८०प्र० में सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर वतन बेण्ड रु० 15,600-३९१०० (प्र० ५,४००) में कार्यालय प्रमुख अभियन्ता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ८०प्र० में ०२ वर्ष जी परियोजना पर औपचारिक रूप से नियुक्ति किरा जाने की श्री राजपाल नियमिति शर्तों के अधीन सहै स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) अध्यर्थी को उक्त औपचारिक नियुक्ति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि यदि अध्यर्थी का अरिच एवं पूर्ववृत्त सत्यापित नहीं होता है या अध्यर्थी द्वारा अपने स्व सत्यापन या सोषणा-पत्र में कोई गलत सूचना दी गयी है तो औपचारिक नियुक्ति-पत्र तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा और परिणाम स्वरूप अन्य आपराधिक/विधिक कार्यवाही भी की जायेगी।

(2) यह नियुक्ति नियान्त औपचारिक एवं अस्थायी है। यदि बाट में अध्यर्थियों के सम्बन्ध में दिये गये प्रमाण-पत्र एवं अन्य सेवा शर्तों को असत्य पाया जाता है तो उनकी सेवाएं बिना कोई कारण तत्काल समाप्त कर दी जायेगी और असत्य प्रमाण-पत्र दिये जाने के सम्बन्ध में नियमानुसार विभागीय आपराधिक (ग्रिमिनत) कार्यवाही की जायेगी।

(3) उक्त अध्यर्थी को अपना कार्यमार इस आदेश के नियम हान के एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लेना होगा। यदि अध्यर्थी इस अवधि में कार्यमार ग्रहण नहीं करता है तो उसका अभावन निरस्त कर दिया जायेगा।

(4) अध्यर्थी को अपनी नियुक्ति/पदस्थापना के स्थान पर कार्यमार ग्रहण करने हेतु कोई गाड़ा भत्ता दृत्यादि देय नहीं होगा।

(5) उक्त अध्यर्थी की ज्येष्ठता बाट में नियमानुसार नियान्ति की जायेगी।

(6) नवघणनित सहायक अभियन्ता को वतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता व वन्य देय भत्ते भी नियमानुसार अनुमत्य होंगे।

(7) अध्यर्थी के कार्यमार ग्रहण करने से पूर्व कार्यालय प्रमुख अभियन्ता के संबंधित अधिकारी यह भली-भांति सुनिश्चित कर लेंगे कि अध्यर्थी यदि पूर्व में अन्यत्र कहीं कार्यरत रहा हो तो उनके द्वारा तकनीकी त्याग-पत्र/कार्यमुक्ति किये जाने के उपरान्त ही योगदान आव्यय स्वीकार किये जायें। उक्त के साथ ही औपचारिक

रूप से चयनित जिन अभ्यर्थियों की आयाग द्वारा सशर्त संस्तुति प्रेषित की गयी है उनके द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (N.O.C.) उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये। इसी के साथ शासनादेश सख्ता 04/2021/1/4, 2011 का 4-2021, दिनाक 29 अप्रैल 2021 में उल्लिखित व्यवरण के अनुसार अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्रों में सत्यापन-पत्र एव स्व घोषणा-पत्र ग्राप्त किये जाने के उपरान्त ही योगदान आख्या स्वीकार की जाये।

(8) कार्यालय प्रमुख अभियन्ता रिचार्ड एव जल सासाधन विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी अभ्यर्थी का कार्यमार ग्रहण कराने से पूर्व उनके मूल प्रमाण-पत्र एव डिग्रियों की आवश्यक जाच स्वय कराना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रत्येक प्रमाण-पत्र एव डिग्रियों की अभिप्राणित प्रतिलिपिया निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों के साथ शासन को कार्यभार प्रमाणक सहित तुरन्त प्रेषित करेंगे—

- [I] केवल एक जीवित पत्नी होने का प्रमाण-पत्र ।
- [II] अभ्यर्थी द्वारा स्वय के हस्ताक्षर से अपनी चाल-अचल सम्पत्ति का विवरण ,
- [III] राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की 02 फोटो ।
- [IV] अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध कराया गया सत्यापन-पत्र एव स्व घोषणा-पत्र ।

आज्ञा से
फूल बन्द,
संयुक्त सचिव ।



सरकारी गज़ाट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 26 मार्च, 2022 ई० (वीत्र 5, 1944 शक संवत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य विधिया आङ्गारें विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अधीक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

जनता के प्रयोजनार्थ भूमि नियोजन की विज्ञप्तिया

07 दिसम्बर, 2021 ई०

भूमि अजेन पुनर्वासन और पुनर्वायवस्थापन में उचित प्रनिकर और पारदर्शिता
का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की अधिसूचना

स० 1343/(भ०अ०)/न०म०३०-प्रथम/लखनऊ-भूमि अजेन पुनर्वासन और पुनर्वायवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपचारा (1, के अधीन कलेक्टर लखनऊ की गय है कि ०.०५० एक्सप्रेस-वे ओटोग्राम विकास प्राधिकरण यूपीडा लखनऊ के भाग्यम से सावजनिक प्रयोजन के लिए पूर्वाधार एक्सप्रेस-वे हेतु जनपद लखनऊ तहसील भोहनलालगढ़ जिला लखनऊ में ग्राम रसुलपुर आशिकाली की ०.१६०८ हेठो हसगापुर की ०.२३५४ हेठो आदमपुर नीदस्ता की ०.१५६३ हेठो गहुराकला की ०.०५८० हेठो व पश्चासा की ०.०४४ हेठो कुल ८४५ हेठो अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है।

2- परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि अजेन से पूर्व राज्य सामाजिक समाधान नियारण एजेन्सी द्वारा सामाजिक समाधान नियारण अध्ययन किया गया है तथा समुदित सरकार को अपनी अनुशासा प्रस्तुत की गयी है जिसे समुदित सरकार द्वारा दिनांक 14 मई, 2019 को अनुमोदित किया गया था।

३-सामाजिक समाधान नियारण का सारांश इस प्रकार था-

समिति यह अनुभव करती है कि पूर्वाधार एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट लोक उद्देश्यों की सेवा करेगा तथा इसका नियारण के बहुत कठीय एकीकरण का काय करेगा बल्कि सामाजिक एव आर्थिक समृद्धि के लिये सहायक होगा।

भूमि प्रदान करने वाले काश्तकारी से हुये विचार विषय से यह प्रतीत होता है कि वे अपनी भूमि परियोजना को देने के लिये सहमत हैं यदि भूमि का उचित मुआवजा उन्हें प्रदान किया जाये। यामीण इस बात से भी सहमत है कि पूर्वाधार एक्सप्रेस-वे उनके सामाजिक एव आर्थिक विकास में लगावायी होगा।

ज्यादातर मामलों में यह देखा गया है कि संकेत रेट के आधार पर प्रस्तावित मुआवजे बाजार दर से काफी कम है। इस लिये समिति दृढ़ता से अपन निष्कर्ष के आधार पर सिफारिश करती है कि मुआवजे की दर को विशेष रूप से इस तथ्य के प्रकाश में बढ़ाया जाना चाहिये कि प्रभावित कात्र के संकेत रेट दिसम्बर, 2015 से बढ़ाये नहीं गये हैं और प्रस्तावित भूमि का अधिग्रहण वर्ष 2018 में किया जा रहा है।

समिति द्वारा यह भी अनुभव किया गया है कि ग्रामीणों पर प्रतिकूल मनोवैज्ञानिक प्रभाव से बचने के लिये मुआवजे की दर एक ही क्षेत्र में सामान हानी धारियां और यह भूमि अंजन अधिनियम 2013 की घारा 26 (बी) में वर्णित भूमि के मूल्य के निर्धारण या अवधारण करने के मापदण्ड के अनुरूप नहीं होगा,

४—समिति की उक्त सस्तुति के सम्बन्ध में यूपीडा के पञ्च संख्या २९०७/यूपीडा १८/५४८-(०१)-११ (मू—अंजन) हिनांक १४ सितम्बर २०१८ में यह उल्लेख किया गया है कि पूर्वोत्तर एक्सप्रेस-वे परियांजना के उपरोक्तानुसार प्रभावित क्षेत्रों के संकेत रेट पुनरीक्षित किये जाने के सम्बन्ध में अग्रिम कायवाही कर एवं निलंबन विभाग/निम्नाधिकारी लखनऊ द्वारा नियत प्रक्रिया के अनुसार करने पर विचार किया जाएगा।

भूमि अंजन अधिनियम 2013 की घारा 26 में कलेक्टर द्वारा भूमि के बाजार मूल्य का अवधारण उल्लिखित किया गया है जिसके बिन्दु खा में उल्लेख है कि निकटवर्ती ग्राम या निकटवर्ती पड़ासी क्षेत्र में स्थित उसी पक्षार की भूमि के लिये औसत विक्रय कीमत कलेक्टर द्वारा प्रतिकर का निर्धारण किया जायेगा।

उक्त के काम में पूर्वोत्तर एक्सप्रेस-वे हेतु प्रस्तावित भूमि अंजन की कायवाही के उपरान्त वर्तमान में इसी परियांजना हेतु अनुसूची में वर्णित निम्नवत् अंतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है।

५—भूमि अंजन के कारण कोइ परिवार दिवसामित नहीं हो रहा है।

६—अत राज्यापाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सहवं सहमति देते हैं—

अनुसूची

जानकारी	तहसील	परगना	ग्राम	गांव सं०	अस्तित्व किये जाने वाला क्षेत्रफल
१	२	३	४	५	६
हेतु					
लखनऊ	मोहनलालगंज	गोसाईगंज	रसूलपुर आशिकाली	४६०	०.०६७२
				४६१	०.०६८२
				४६७	०.०२६४
				७८८	०.०११०
				वोग.	०.१५०८
हसनापुर					
				८५	०.२३५४
				वोग.	०.२३५४

१	२	३	४	५	६
हेक्टेयर					
लखनऊ	मौहनलालगंज	गोसाईगंज	आदमपुर नोबरसा	517	0.0550
				518	0.0299
				523	0.0714
				शोग. .	<u>0.1563</u>
			महुसकला	1764	0.0580
				शोग. .	<u>0.0580</u>
			पहासा	215	0.0440
				शोग. .	<u>0.0440</u>
				कुल शोग. .	<u>0.6446</u>

७—अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एक प्राविधिक भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आधारक कदम उठाये जाने वाले तथा भूमि का सर्वेक्षण किसी भूमि के सिंग रामततीकरण खुटाइ करने तथा कार्य के सम्बन्धित क्रियाव्याप्ति हेतु शामी आवश्यक क्रियाएँ करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर को प्राधिकृत रूपने हेतु निर्देश देते हैं।

८—अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिराका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने होत्र में भूमि अधिग्रहण के दिरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

९—अधिनियम की धारा 11 (4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की नियि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विकाय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर लखनऊ ६. जगदीश चन्द्र बोस मार्ग लखनऊके स्थित कायोलय में देखा जा सकता है।

घरेन्द्र सिंह,

कलेक्टर,

भूमि अध्यापित प्रयोजनाथ।

18 मार्च, 2022 ई०

सं० 1771/आठ-विठ्ठलभूमि-अमरोहा-उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा अधिकारित मध्य गगा निर्माण खण्ड-15 मुरादाबाद के द्वारा अपेलित सावेजनिक प्रयोजन यथा मध्य गगा नहर परियोजना (द्वितीय चरण) मुख्य नहर

के निर्माण हेतु जनपद अमरोहा, तहसील धनीरा, परगना धनीरा, ग्राम फुन्डेडी में कुल रकम 3.0420 हेठो में भूमि के सम्बन्ध में भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या 1193 दिनांक 18 दिसंबर 2021 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से प्रकाशित दिनांक 04 दिसंबर 2021 को प्रकाशित की गयी थी। डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टर धनीरा को परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया गया था।

अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (2) के प्राक्षिकानां के अनुपासन में कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के विवारोपासन धारा 19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निदश देते हैं कि उन्हें यह समाचार हो गया है कि अनुसूची 'क' में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सांकेतिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित जनपद अमरोहा, तहसील धनीरा परगना धनीरा, ग्राम फुन्डेडी की शून्य हैक्टेयर भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है।

राज्यपाल अत्रेतर निदश देते हैं कि अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के अधीन इस प्रभाव का घोषणा के प्रकाशन के साथ पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के गारंश के प्रकाशन हेतु अमरोहा कलेक्टर को निर्देशित करते हैं। पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना का सारांश इसके साथ संतुलन है।

अनुसूची 'क'
(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड सं०	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
अमरोहा	धनीरा	धनीरा	फुन्डेडी	2-पि०	0.2166
				3	0.7817
				44	1.0000
				45	0.3360
				106	0.7088
				वोग.	3.0420

अनुसूची 'ख'
(विस्थापित परिवारों के लिये व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिह्नित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड सं०	पुनर्वासन हेतु चिह्नित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर

विस्थापित परिवारों की संख्या 'शून्य'

टिप्पणी: उपर भूमि का स्थलीय नक्शा अमरोहा के कलेक्टर के कायालय में देखा जा सकता है।

(हेक्टेयर),
जिलाधिकारी, अमरोहा।

NOTIFICATION

March 16, 2022

No. 1771/VIII-S.L.A.O./Amroha/2022—Whereas Preliminary Notification No. 1193, Dated 18-09-2021 was issued under Sub-section (1) of Section 11 of the rule Right to Fair Compensation and

Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013 in respect of 3.0420 hectares of land in Village-Funderi, Pargana-Dhanaura, Tehsil-Dhanaura, District-Amroha is required for public purpose, namely, Project MGC Stage-II through Madhya Ganga Canal Construction Division-15 Moradabad (Name of requiring body) published on dated December 04, 2021. The Deputy Collector-Assistant Collector Dhanaura was appointed as Administrator for the purpose of Rehabilitation and Resettlement of the project affected families.

After considering the report of the Collector submitted in pursuance to provision under Sub-section (2) of the Section 15 of the Act, the Governor is pleased to declare under Section 9 (1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and the land to the extent of 0.00 Hectares in Village-Funderi Pargana-Dhanaura, District-Amroha, as given in Schedule "B" has been identified as the Rehabilitation and Resettlement Area for the purpose of Rehabilitation and Resettlement of the displaced families.

The Governor is further pleased under Sub-section (2) of Section 19 of the Act, to direct the Collector of Amroha to publish a summary of the Rehabilitation and Resettlement Scheme with publication of the declaration to this effect. The summary of the Rehabilitation and Resettlement Scheme is attached herewith.

SCHEDULE "A"
(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area
1	2	3	4	5	6
					Hectare
Amroha	Dhanaura	Dhanaura	Funderi	2 MI	0.2155
				3	0.7817
				44	1.0000
				45	0.3300
				106	0.7088
				Total..	3.0430

SCHEDULE "B"
(Land identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area earmarked for rehabilitation
1	2	3	4	5	6
					Hectare
				MI	

NOTE—A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGIBLE.
Collector Amroha

16 मार्च, 2022 ई०

सं० 1773/आठ-विठ्ठ०.३०३०/अगरोहा-उत्तर प्रदेश सिवाई विभाग द्वारा अधिकारी भव्य भगा निम्नांक स्थान-15, गुरादाबाद के द्वारा अपेलिट सावेजनिक प्रयोजन यथा भव्य गगा नहर परियोजना (द्वितीय चरण) भव्य नहर

के निमोन हेतु अनपद अमरोहा तहसील धनीरा परगना धनीरा, ग्राम देहराढ़क में कुल रक्वा 1.2646 हेक्टर में भूमि के सम्बन्ध में भू-अज्ञन पुनवासन एवं पुनर्वासनापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या 1194 दिनांक 18 सितम्बर 2021 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से प्रकाशित दिनांक 04 दिसम्बर 2021 को प्रकाशित की गयी थी। छिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टर धनीरा का परिवारोंना प्रभावित परिवारों के पुनवासन एवं पुनर्वासनापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया गया था।

अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (2) के प्राकिनारों के अनुपालन में कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के विचारापरान्त धारा 19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निदश देत है कि उन्हें यह समझान हो गया है कि अनुसूची 'क' में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सावजनिक प्रयोगजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित अनपद अमरोहा तहसील धनीरा परगना धनीरा ग्राम देहराढ़क की शून्य हक्केयर भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनवासन एवं पुनर्वासनापन हेतु पुनवासन एवं पुनर्वासनापन क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है,

राज्यपाल अतोत्तर निर्देश देत है कि अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के अधीन इस प्रभाव का सौधारणा रूप प्रकाशन के साथ पुनवासन एवं पुनर्वासनापन योजना के सारांश के प्रकाशन हेतु अमरोहा कलेक्टर को निर्देशित करते हैं। पुनवासन और पुनर्वासनापन योजना का सारांश इसके साथ सलग है।

अनुसूची 'क'
(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	मूख्यण्ड सं०	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
हक्केयर					
अमरोहा	धनीरा	धनीरा	देहराढ़क	373	0.5831
				374	0.2944
				386	0.3671
				शॉप. .	1.2646

अनुसूची 'ख'
(विस्थापित परिवारों के लिये अवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिह्नित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	मूख्यण्ड सं०	पुनवासन हेतु चिह्नित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
हक्केयर					

विस्थापित परिवारों की संख्या "शून्य"

टिप्पणी- उक्त भूमि का स्थलीय नवजा अमरोहा के कलेक्टर के कागालय में दर्खा जा सकता है।

(ह० अरप्ष्ट),

जिलाधिकारी, अमरोहा

NOTIFICATION

March 16, 2022

No. 1773/VIII-S.L.A.O.J Amroha/2022—Whereas Preliminary Notification No. 1194 Dated 18-09-2021 was issued under Sub-section (1) of Section 11 of the rule Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013 in respect of 1 2646 hectares of land in Village

Dehrachak, Pargana-Dhanaura, Tehsil-Dhanaura, District-Amroha is required for public purpose, namely, Project MGC Stage II through Madhya Ganga Canal Construction Division-15, Moradabad (Name of requiring body) published on dated December 04, 2021. The Deputy Collector/Assistant Collector Dhanaura was appointed as Administrator for the purpose of Rehabilitation and Resettlement of the project affected families.

After considering the report of the Collector submitted in pursuance to provision under Sub-section (2) of the Section 15 of the Act, the Governor is pleased to declare under Section 19 (1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and the land to the extent of 0.00 Hectares in Village-Dehrachak, Pargana-Dhanaura, District-Amroha, as given in Schedule "B" has been identified as the Rehabilitation and Resettlement Area for the purpose of Rehabilitation and Resettlement of the displaced families.

The Governor is further pleased under Sub-section (2) of Section 19 of the Act, to direct the Collector of Amroha to publish a summary of the Rehabilitation and Resettlement Scheme with publication of the declaration to this effect. The summary of the Rehabilitation and Resettlement Scheme is attached herewith.

SCHEDULE "A"
(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area
1	2	3	4	5	6
					Hectare
Amroha	Dhanaura	Dhanaura	Dehrachak	373	0.5831
				374	0.2944
				385	0.3871
				Total	1.2646

SCHEDULE "B"
(Land identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area earmarked for rehabilitation
1	2	3	4	5	6
					Hectare
				Nil	

NOTE-A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd) **ILLEGIBLE**
Collector Amroha



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 26 मार्च, 2022 ₹० (धैत्र 5, 1944 शक संवत्)

माग ८

सरकारी कागज-पत्र दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र जन्म-मरण के आकड़े रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आकड़े, फसल और क्रान्तु सम्बन्धी रिपोर्ट, दाजार-भाव, सूचना विज्ञापन इत्यादि।

कार्यालय, नगर पंचायत, कुलपहाड़, जनपद महोदा

22 मार्च, 2022 ₹०

रा० ३११/एन०३०क०/गज़ट/२०२१-२२-शासनादेश संख्या ४०६/नौ-९/१९९७-९६/जनरल/९८, दिनांक १० फरवरी १९९७ के प्रस्तावने में पारित आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, १९१६ (२) सहार्थन १९८४ की धारा २९८ गृही-१ खण्ड (ख)(झ) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत, कुलपहाड़ द्वारा अपनी सीमा के अन्तर्गत अधिनियम की धारा २५५ २६९ २७० २७१ २७३ २७४ २७६ २७७ के प्राविधिकों के अन्तर्गत युक्त मैं शोध से मुक्त एवं दास अपार्शष्ट निपटान नियन्त्रण एवं विनियम नियमावली, २०१९ की उपरिणि बनायी गयी है। जिस दिनिक 'आज' समाचार-पत्र के दिनांक २९ नवम्बर, २०१९ के अंक में प्रकाशित कराया जा चुका है निर्धारित अवधि में काई आपत्ति प्राप्त न होने के कारण उक्त उपरिणि को राजकीय गज़ट में प्रकाशित कराया जा रहा है। यह उपरिणि गज़ट में प्रकाशन की तिथि से प्रभायी होगी।

स्वच्छ भारत मिशन विनियमन तथा नियन्त्रण नियमावली, २०१९

उपरिणि

१—सक्रिय नाम, प्रसार एवं प्रारम्भ—(क) यह उपरिणि नगर पंचायत कुलपहाड़ के सीमान्तर्गत खुल में शोध से मुक्त एवं ठोस अपार्शष्ट निपटान नियन्त्रण एवं विनियमन नियमावली, २०१९ कहलायेगी।

(ख) यह उपरिणि नगर पंचायत, कुलपहाड़ द्वारा सरकारी गज़ट में प्रकाशित किये जाने के लिये सलाह द्वारा होगी।

२—परिमाणाग्रे० जब तक कोई प्रसंग प्रतिकूल न हो, इस उपरिणि में—

(क) "अधिनियम" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम १९१६ संख्या २ से है।

(ख) "नगरपालिका" का तात्पर्य नगरपंचायत, कुलपहाड़ से है।

(ग) "अध्यक्ष/प्रशासक" का तात्पर्य नगर पंचायत कुलपहाड़ के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

(घ) "बोर्ड" का तात्पर्य नगर पंचायत कुलपहाड़ के निवाचित बोर्ड अथवा शासन द्वारा स्थापित की गयी व्यवस्था से है।

(ए) "अधिशासी अधिकारी" का तात्पर्य नगर पंचायत, कुलपहाड़ के अधिशासी अधिकारी से है।

(ब) "अर्थदण्ड/जुर्माना" का तात्पर्य इस उपविधि के अन्तर्गत आरोपित अर्थदण्ड/जुर्माना से है।

(छ) शहर को खुले में शीघ्र से मुक्त बनाये रखने, नगर के नाली-नाला, तालाब, कुरं एवं अन्य जलस्रोतों, सड़क व सड़क पटरी या सावंजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का ठोस अपशिष्ट डालने एवं मच्छर जनित परिस्थितियां उत्पन्न करने पर प्रतिवन्ध का तात्पर्य नगर पंचायत, कुलपहाड़ की सीमा के अन्दर निवासरत समस्त नागरिकों के प्रतिदिन के क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले अपशिष्टों के अनुचित निस्तारण से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण एवं मच्छर जनित परिस्थितियां के उपरान्त की जाने वाली दण्डात्मक कार्यवाही से है।

नगर पंचायत, कुलपहाड़ द्वारा खुले में शीघ्र करने व सावंजनिक सड़क, नाली-नाली, तालाब, कुरं एवं अन्य जलस्रोतों व सड़क एवं पटरी, सावंजनिक भूमि पर कूड़ा डालने एवं मच्छर जनित परिस्थितियां उत्पन्न करने के विरुद्ध अर्थदण्ड/जुर्माना वसूल करेगी।

3-उपरोक्त जुर्माना/अर्थदण्ड की वसूली अधिशासी अधिकारी अथवा उनके द्वारा नियुक्त कर्मचारी करेंगे। दरं निम्नदत्त होंगी—

क्रम सं०	जुर्माना/अर्थदण्ड	जुर्माने की दर प्रतिदिन (रुपये में)
1	2	3
1	खुले में शीघ्र करने पाये जाने पर	रु० 20.00 से रु० 1,000.00 तक
2	सड़क, नाली, नाली एवं सावंजनिक स्थल पर कूड़ा रु० 250.00 एवं अधिकतम रु० 5,000.00 तक डालते पाये जाने पर	रु० 250.00 एवं अधिकतम रु० 5,000.00 तक
3	तालाब, कुरं एवं अन्य जलस्रोतों में कूड़ा, अपशिष्ट रु० 500.00 एवं अधिकतम रु० 20,000.00 तक डालते पाये जाने पर	रु० 500.00 एवं अधिकतम रु० 20,000.00 तक
4	मच्छर जनित परिस्थितियां उत्पन्न करने पर	रु० 250.00 से तक 5,000.00 तक
5	नगर पंचायत/सावंजनिक भूमि पर विविध विद्युतीय उपकरणों का उपयोग करने पर जुर्माना एवं खुराकी अतिरिक्त छोड़ने पर	रु० 250.00 से अधिकतम रु० 5,000.00 तक
6	निमांग एवं विविध अपशिष्ट सामग्री राढ़क एवं जुर्माना रु० 250.00 से रु० 5,000.00 तक एवं सावंजनिक स्थान पर डालने पर।	रु० 250.00 से रु० 5,000.00 तक एवं हटाने का व्यय अलग
7	मल की निकासी सेप्टिक टैंक या सीधर लाइन में न करके सीधे नाले में गिराने पर	रु० 500.00 से रु० 10,000.00 तक

उपरोक्त अर्थदण्ड/जुर्माने का अधिकार अधिशासी अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत नगर पंचायत के अन्य अधिकारी/कर्मचारी को होगा।

दाख

उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा २७७ की उपधारा (10) के अन्तर्गत शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत, कुलपहाड़, निर्देश देती है कि इस उपविधि का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति दण्ड का भागी उपरोक्तानुसार होगा उल्लंघन जारी रहने की दशा में प्रत्येक दिन के लिये जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि दोषी, उपविधि का उल्लंघन करता रहता है तो उक्त निर्धारित न्यूनतम एवं अधिकतम के मध्य की कोई भी धनराशि प्रतिदिन अर्थदण्ड करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी, नगरपंचायत, कुलपहाड़ को होगा।

बन्दना सिंह,

अध्यक्ष,

नगर पंचायत, कुलपहाड़

जनपद बहोबा।

कार्यालय, उ०प्र० शिया सेण्ट्रल वक़फ बोर्ड, लखनऊ

अधिसूचना

उ०प्र० शिया सेण्ट्रल वक़फ बोर्ड, लखनऊ में सेण्ट्रल वक़फ अधिनियम, 1995 की धारा 65(5), के अन्तर्गत बोर्ड की वैठक दिनांक 18 फरवरी, 2022 के अन्तर्गत निम्नलिखित अवकाफ को सीधे नियन्त्रण में लेते हुये एक वर्ष की अवधि के लिये प्रशासक पद पर इस शर्त के साथ नियुक्त किया गया है कि प्रशासक वक़फ अधिनियम, 1995 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत कार्य करेंगे—

क्र० सं०	वक़फ का नाम	पंजीयन संख्या	स्थित/ जनपद	प्रशासक का नाम और पता
1	2	3	4	5
1	वक़फ कबूल अब्बास बाग	T-2598	हरदोई शेड, लखनऊ	मौलाना सै० कल्पे जवाद नकवी पुत्र स्व० मौलाना सै० कल्पे आबिद नकवी, निवासी-३७, जौहरी मोहल्ला, छौक, लखनऊ
2	वक़फ दरगाह हजरत अब्बास (अ०स०)	T-2063	खस्तम नगर, लखनऊ	श्री मीसम रिजवी पुत्र श्री छब्दे हसन रिजवी, निवासी ३८०/१३५ खस्तम नगर, लखनऊ;
3	वक़फ अद्दूर मिर्जा	T-987	औरंगाबाद जामीर, लखनऊ	1—श्री हाशिम अब्बास पुत्र स्व० जफर अब्बास, निवासी—बड़ा इमामबाज़ा, हाता हुसैनाबाद, लखनऊ 2—श्री सै० मेहर मेहवी रिजवी पुत्र श्री सै० अफजल मेहवी रिजवी, निवासी ए०डी०एस०सी० २९, हाता मिर्जा अली खाँ, हुसैनाबाद, लखनऊ।

उ०प्र० शिया सेण्ट्रल वक़फ बोर्ड, लखनऊ में सेण्ट्रल वक़फ अधिनियम, 1995 की धारा 65(5), के अन्तर्गत बोर्ड की वैठक दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 के अन्तर्गत वक़फ दरगाहे आलिया नजफ-ए-हिन्द, जोगीपुरा, पंजीयन संख्या T-1158, 1187, जनपद बिजनीर को सीधे नियन्त्रण में लेते हुये ०६ माह की अवधि के लिये प्रशासक पद पर इस शर्त के साथ नियुक्त किया गया है कि प्रशासक वक़फ अधिनियम, 1995 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत कार्य करेंगे।

क्र० सं०	वक़फ का नाम	पंजीयन संख्या	स्थित/ जनपद	प्रशासक का नाम और पता
1	2	3	4	5
1	वक़फ दरगाहे आलिया नजफ-ए-हिन्द, जोगीपुरा	T-1158 T-1187	बिजनीर	श्री सै० हबीब हैदर पुत्र स्व० सै० फिरोज हैदर, निवासी-१०२, शालीमार ऐमिरेन्ट, जौपलिंग रोड, लखनऊ

अली जैदी,
अध्यक्ष,
उ०प्र० शिया सेण्ट्रल वक़फ बोर्ड,
लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरसं मेसर्स लोटस कंस्ट्रक्शन 122/2 सिविल लाइन, झांसी, जिला झांसी-284001, उम्प्र० वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है—

१—अजय पुर्खार, २—मोहम्मद बसीक, ३—मोहम्मद फारुक, जिसमें दिनांक ०१ फरवरी, २०२० को मोहम्मद बसीक एवं मोहम्मद फारुक अपनी स्वेच्छा से पृथक् हो गये हैं उनके स्थान पर पुरुषोत्तम पुर्खार शामिल हो रहे हैं।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

अजय पुर्खार,

साझेदार,

मेरसं लोटस कंस्ट्रक्शन, 122/2,
सिविल लाइन, झांसी-284001, उम्प्र०।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरसं श्री सिद्ध बाबा ग्रेनाइट, भोजीपुरा, कबरही, जिला महोबा (उम्प्र०) वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है—

१—महेश तिवारी, २—बलवीर यादव, ३—अमरप्रताप। जिसमें दिनांक ०९ दिसम्बर, २०२१ को महेश तिवारी एवं अमरप्रताप अपनी स्वेच्छा से पृथक् हो गये हैं। उनके स्थान पर कंधी लाल यादव, पियुष कुमार गुप्ता, भग्न कुप्ता, संजय सिंह तोमर शामिल हो रहे हैं।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

बलवीर यादव,

साझेदार,

मेरसं श्री सिद्ध बाबा ग्रेनाइट,
भोजीपुरा कबरही, जिला-महोबा, (उम्प्र०)।

NOTICE

Be it known to all that in my High School and Intermediate marksheets and certificate my name is mentioned as Soumya Misra daughter of Manoj Kumar Mishra, which is incorrect. In my graduation Mark Sheet and Degree my name is mentioned as Soumya Mishra daughter of Manoj Kumar Mishra, which is correct. In my Pan Card, Adhar Card and other documents my name is mentioned as Soumya Mishra daughter of Manoj Kumar Mishra, which is correct. In future I should be known as Soumya Mishra daughter of Manoj Kumar Mishra.

Soumya Mishra,

१८/१ Baba Ji Ka Bagh,
Colonelganj, Prayagraj.

सूचना

मैंने अपना नाम अनुज शुक्ला से बदलकर अभिनव शुक्ला कर लिया है वह मुझे विविध में अभिनव शुक्ला पुत्र अनूप शुक्ला, निवासी २७२ए नौबरसा, कानपुर नगर के नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जाने।

अभिनव शुक्ला,

निवासी-२७२ए नौबरसा,
कानपुर।

सूचना

सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मे० श्री नाथ जी किसान सेवा केन्द्र गंगीरी रोड, पिलखाना धौराहा, जिला अलीगढ़, जो पूरे में दिनांक १७ मार्च, २०१७ से उम्मत तरुण कुमार भाषेश्वरी तथा श्री नितिन भाषेश्वरी के द्वारा भागीदारी के अन्तर्गत संचालित थी, किन्तु हम भागीदारों द्वारा उक्त फर्म को दिनांक २२ फरवरी, २०२२ से स्वेच्छा से विघटित कर दिया गया है। अब उक्त फर्म का भंशालन दिनांक ०१ अप्रैल, २०२२ से हितीय पक्ष श्री नितिन महेश्वरी द्वारा अकेले ही प्रोपराइटरीप के अन्तर्गत किया जाना तय किया गया है।

नितिन महेश्वरी,

भागीदार,

मे० श्री नाथ जी किसान सेवा केन्द्र,
गंगीरी रोड, पिलखाना धौराहा,
जिला-अलीगढ़।

सूचना

फर्म नं० श्री इथाम डलपर्स २/७०३ बेगम बाग अलीगढ़ यत्रावली संख्या एएलआई/०००९९७४ में दिनांक २१ जनवरी, २०२२ को श्री भट्टीश कुमार पुत्र श्री सूरज सिंह, निवासी गांव सहारनपुर, अलीगढ़ द्वारा फर्म की साझेदारी से अपनी स्थेकाला पृथक् हुये तददिनांक को काश्मीरा पत्नी श्री राकेश कुमार सिंह, निवासी ईच०आई०जी० १९८/१ विकास नगर ए०डी०९० आगरा रोड, अलीगढ़ कर्म की साझेदारी में सम्मिलित हुई। दर्तमान फर्म में साझेदार श्री सतेन्द्र कुमार शर्मा, श्री जगिर कुमार शर्मा, श्री हेमेन्द्र कुमार शर्मा, श्री रवि कुमार, श्री राकेश कुमार सिंह, काश्मीरा है।

सतेन्द्र कुमार शर्मा,
साझेदार,
नं० श्री इथाम डलपर्स,
२/७०३ बेगम बाग, अलीगढ़।

सूचना

सूचित किया जाता है कि भागीदारी कर्म नं० श्री हनुमान राईस मिल्स, अपोजिट नवीन मण्डी, आगरा रोड, बैनपुरी के भागीदारों/विद्यालय में परिवर्तन की सूचना इस प्रकार है—

उक्त कर्म में दिनांक ०१ अप्रैल, २००९ को श्री राधेश्याम पुत्र श्री गजानन्द, निवासी स्टेशन रोड, बैनपुरी तथा श्री रामकिशन पुत्र श्री तुलसीराम, निवासी स्टेशन रोड, बैनपुरी नये भागीदार के रूप में सम्मिलित हुये तथा कर्म के पूर्व प्रधम पक्ष श्री गजानन्द पुत्र स्थ० कन्हैया लाल, निवासी स्टेशन रोड, बैनपुरी द्वितीय भागीदार श्री तुलसीराम पुत्र स्थ० कन्हैया लाल, निवासी स्टेशन रोड, बैनपुरी तथा पूर्व प्रधम पक्ष भागीदार श्रीभट्टी ममता रानी पत्नी श्री अनूप कुमार बंसल, निवासी नरायण नगर, बैनपुरी उक्त दिनांक को कर्म से अलग हो गये। दिनांक ०१ अप्रैल, २०१५ को पूर्व तृतीय पक्ष श्री राम

किशन पुत्र श्री तुलसीराम निवासी स्टेशन रोड, बैनपुरी कर्म से पृथक् हो गये हैं तथा पूर्व भागीदार श्रीभट्टी कुसुमलता पत्नी श्री सुरेश बन्द्र बंसल, निवासी नरायण नगर, बैनपुरी अपनी स्वेच्छा से दिनांक ०१ अप्रैल, २०१७ को पृथक् हो गयी हैं, उनके स्थान पर उक्त दिनांक से श्री गौरव बंसल पुत्र श्री सुरेश बन्द्र बंसल, निवासी नरायण नगर, बैनपुरी उक्त कर्म में सम्मिलित हो गये हैं। अब कर्म में श्री राम प्रकाश, श्री राधेश्याम, श्री संजय अग्रवाल तथा श्री गौरव बंसल भागीदार हो गये हैं।

राम प्रकाश,

भागीदार,

नं० श्री हनुमान राईस मिल्स,
अपोजिट नवीन मण्डी, आगरा रोड,
बैनपुरी।

सूचना

मेरी कर्म नं० श्री हनुमान राईस एजेन्सी एस० ५/४१ ग्राउण्ड पल्लोर अदैली बाजार, वाराणसी में ५ साझेदार हैं, जिसका रजिस्ट्रेशन नं० ५४३२/७-वी-१८४७९, दिनांक १८ जनवरी, २०१८ को हुआ, जिसमें कोदार भाष्य गुप्ता यी मृत्यु दिनांक १८ मई, २०१८ को हो गया है। उसके स्थान पर किसी भी साझेदार को शामिल नहीं किया गया है। कर्म यथावत घलता रहेगा। अब कर्म में कुल ४ साझेदार सविता देवी, दिलीप कुमार, बंदना केशरी व अवधेश केशरी हैं।

दिलीप कुमार,
बाटनर,

मेरसर्व वैष्णो गैस एजेन्सी,
एस ५/५१, ग्राउण्ड पल्लोर, शाप नं० ३४,
आई०वी० कम्पलेक्स, महाबीर रोड,
अदैली बाजार, जिला वाराणसी, उत्तरप्रदेश।